RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 164 , सोमवार, 27 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

युवा स्वयंसेवक बनेंगे बदलाव के वाहक, छह दिवसीय 'मेरा भारत' प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न 03

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के भापसा नाला में मगरमच्छ ने किया महिला पर हमला 04

शहनाज गिल संग अफेयर की चर्चाओं पर राघव जुयाल ने तोड़ी चुप्पी... 07

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में फिर से अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

- तीन लोगों की मौत, अन्नामलाई ने की निष्पक्ष जांच की मांग

विरुधुनगर (एजेंसी)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के शिवकाशी के पास रविवार सुबह एक पटाखा बनाने वाली अवैध फैक्टरी में भीषण विस्फोट हो गया। इस हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर घायल हो गए। धमाका इतना तेज था कि इसकी

आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय प्रशासन तथा पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

ईरान पर सबसे बड़े हमले से पीछे हटे ट्रम्प

- अमरीकी सेना को कार्रवाई रोकने का दे दिया आदेश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर सबसे बड़े हमले को फिलहाल रोक दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने सेना को नए बड़े हमले रोकने का आदेश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी

कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने सलाह दी कि बड़े अभियान से मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के अंत तक अमेरिका 1200 से ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें इस्तेमाल कर चुका था।

तेलंगाना में चुनाव लड़ने की उम्र 21 साल करने का प्रस्ताव

- बिल पास कराने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र, केंद्र की मंजूरी जरूरी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल करने का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इसके बाद, इसे केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। हैदराबाद में नीट पेपर लीक मामले को लेकर आयोजित कैंडल लाइट रैली में उन्होंने ने यह बात कही। अगस्त के पहले हफ्ते में विधानसभा और विधान परिषद का विशेष सत्र बुलाया जाएगा।

युवाओं को राजनीति में लाने की तैयारी

रेवंत रेड्डी ने कहा कि देश की आबादी में युवाओं (जेन जी) की हिस्सेदारी 30 फीसदी है, लेकिन लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व एक फीसदी से भी कम है। उन्होंने कहा कि अगर 21 साल से अधिक उम्र के युवा मंत्री बनेंगे, तो देश का भविष्य बदलेगा। इसके लिए संविधान में संशोधन की जरूरत है। सीएम ने उदाहरण देते हुए कहा कि जर्मनी और ब्रिटेन में 18 साल का युवा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बन सकता है। सिंगापुर में 21 साल का व्यक्ति प्रधानमंत्री बन सकता है।

पेपर लीक के खिलाफ आज आ सकता है नया बिल

जांच के लिए 2 महीने मिलेंगे, 10 साल जेल और 50 लाख तक जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है।

अपील के लिए भी सख्त नियम

बिल में अपील के लिए भी समय सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी। ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे 3 महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। अपील फैसले के 30 दिनों के भीतर करनी होगी, जिसे विशेष परिस्थितियों में 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है।

स्पेशल टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट

बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

राहुल गांधी का सरकार से सवाल, शाह को लिखी चिट्ठी

स्टूडेंट्स पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें राहुल ने दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन

- सीजेपी का सुझाव- पेपर लीक में 10 साल की सजा हो

चलाने का आदेश किसने दिया। अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया। दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स। उनकी तैनाती किसने की। राहुल ने ये भी कहा कि

स्टूडेंट्स से बात करने के बजाय सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें पीटा, आंसू गैस के गोले छोड़े। सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कइयों के निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। 19 साल के छात्र साहिल लोचब की एक आंख चली गई। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन खत्म हो चुका है। शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका जेपी नड्डा से मिले और उनके सामने देश में शिक्षा सुधार के लिए 5 मांगें रखीं। इनमें पेपर लीक मामलों में 10 साल की सजा, दोषियों की संपत्ति जब्त करने, नया नेशनल टेस्टिंग कमीशन बनाने और नियुक्तियों की स्वतंत्रता के बारे में कहा गया। राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने आवास 10 जनपथ पर छात्रों के प्रदर्शन में घायल एक स्टूडेंट के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

जल्द खत्म होगा सिलीगुड़ी का कई वर्षों का इंतजार

- सीएम शुभेंदु करेंगे वर्दवान रोड फ्लाईओवर का शुभारंभ

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। शहर वासियों के सब्र का बांध और जाम का दर्द खत्म होने जा रहा है। महात्मा गांधी स्कायर (एयरव्यू मोड़) से वर्दवान रोड को जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित फ्लाईओवर का काउंटडाउन शुरू हो गया है। सोमवार यानी 27 जुलाई को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी 1.124 किलोमीटर लंबे

इस ब्रिज का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। उद्घघाटन के पहले रविवार को सिलीगुड़ी पुलिस कमिश्नर सैयद वकार रजा ने सुरक्षा और ट्रैफिक ट्रायल की बारीकियों का निरीक्षण किया। पुलिस कमिश्नर ने परखा हर कोना मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सिलीगुड़ी पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस कमिश्नर ने डीसीपी (ट्रैफिक) काजी शम्शुद्दीन एहमद, एडीसीपी पूर्णिमा शेरपा, एसीपी सुबीर दत्ता व ट्रैफिक के अन्य अधिकारियों सिलीगुड़ी नगर निगम के अधिकारियों और लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों के साथ फ्लाईओवर की फिनिशिंग, लाइटिंग और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के

राजनाथ सिंह बोले-अगर वह रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं हैं तैयार

कहा-भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर में लगा है

नईदिल्ली (एजेंसी)। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा

है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है। साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

बातचीत होगी तो सिर्फ पीओके पर

भारत की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है। पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर होगी, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है और जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। कारगिल वॉर मेमोरियल में पूरा भारत दिखाई देता है। यहां शहीदों में हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, तमिलनाडु समेत देश के हर हिस्से के जवानों के नाम दर्ज हैं। शहीदों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जाने वाले सभी धर्मों के लोग शामिल हैं।

केसरिया कपड़े से तो सपा को जन्मजात दुश्मनी है

- सीएम योगी ने कांवड़ यात्रा के बहाने अखिलेश पर कसा तंज

इटावा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। इटावा में रविवार को आयोजित जनसभा में सीएम योगी ने कहा- पहले समाजवादी पार्टी कहती थी, कांवड़ यात्रा नहीं होने देंगे, शिव भक्त जाएंगे दंगा हो

जाएगा। वे शंख नहीं बजने देते थे, घंटा नहीं बजने देते थे। केसरिया कपड़े से तो समाजवादी पार्टी को जैसे लगता है जन्मजात दुश्मनी है। सभा में उपस्थित जनता को सावधान करते हुए सीएम योगी ने कहा कि वो लोग आएंगे, फिर से कालरात्रि की ओर आपको ले जाने का प्रयास करेंगे। ये लोग पहचान का संकट खड़ा करेंगे, जाति के नाम पर बांटेंगे, क्षेत्र के नाम पर बांटेंगे। ये समाज और देश के दुश्मन हैं।

जो व्यक्ति12 बजे उठेगा, उसका तो भगवान ही मालिक है

सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर सीएम योगी आदित्यनाथ ने तंज कसा। उन्होंने कहा- जो व्यक्ति 12 बजे सोकर उठेगा, उसका तो भगवान ही मालिक है, यही यूपी की दुर्गति का कारण था। आज हमारा प्रदेश उपद्रवग्रस्त प्रदेश नहीं, बल्कि उत्सव प्रदेश बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी पढ़ेगी तो परिवार में स्वावलंबन का आदर्श प्रस्तुत करेगी और उत्तर प्रदेश का भाग्य भी बनाएगी।

सैफई सिंडिकेट ने मुलायम की मुहिम खत्म कर दी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सैफई सिंडिकेट ने मुलायम सिंह यादव की मुहिम खत्म कर दी। वंशवाद ने युवाओं का भविष्य छीन लिया है। 2017 से पहले यूपी में अराजकता थी। आज यूपी में दंगा और उपद्रव नहीं है।

शिक्षा मंत्रालय का पदभार संभालते ही ऐक्शन में प्रह्लाद जोशी

पहले ही दिन वरिष्ठ अधिकारियों संग की बड़ी बैठक, दिखाए तेवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में छात्रों की मांग पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के ठीक एक दिन बाद रविवार को प्रल्हाद जोशी ने नए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। धारवाड़ से पांच बार के सांसद प्रल्हाद जोशी इससे पहले कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में, प्रल्हाद जोशी ने कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक और मंत्री पदों का कार्यभार संभाला है। 2019 से 2024 के बीच उन्होंने संसदीय कार्य, कोयला

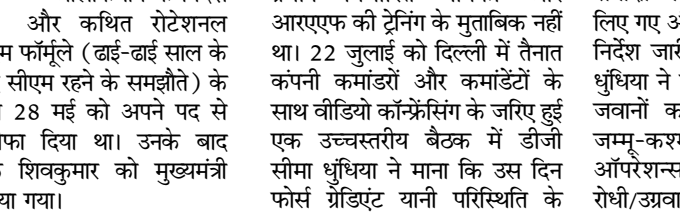

और खान मंत्री के रूप में कार्य किया। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद, उन्हें उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालयों का प्रभार सौंपा गया। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के केंद्रीय मंत्री के रूप में, प्रल्हाद जोशी ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का विस्तार का जिक्र किया।

शिक्षा मंत्री के सामने कई चुनौतियां

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इसके साथ ही वे अपने मौजूदा मंत्रालयों का काम भी संभालते रहेंगे। शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद प्रल्हाद जोशी के सामने कई बड़ी चुनौतियां होंगी, जिसमें शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना और छात्रों का भरोसा मजबूत करना प्रमुख हैं।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का बड़ा ऐलान

कहा-मैं नहीं लड़ूंगा 2028 का विधानसभा चुनाव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर सिद्धारमैया ने कहा है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्होंने शनिवार को मंड्या जिले के केआर पेट में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा- राजनीति अब पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह नहीं बची है।

सिद्धारमैया ने कहा- मैं अब 79 साल का हो चुका हूं। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक मेरी उम्र 81-82 साल हो जाएगी। मेरी सेहत पहले जैसी मजबूत नहीं रही। अब पहले जैसे उत्साह के साथ काम करना संभव नहीं है। सिद्धारमैया का यह बयान उनके सीएम पद छोड़ने के दो महीने बाद आया है। सिद्धारमैया ने कांग्रेस आलाकमान के निर्देश और कथित रोटेशनल सीएम फॉर्मूले (ढाई-ढाई साल के लिए सीएम रहने के समझौते) के तहत 28 मई को अपने पद से इस्तीफा दिया था। उनके बाद डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया गया।

फोर्स का इस्तेमाल तय मानकों के मुताबिक नहीं हुआ

सीजेपी के संसद चलो मार्च पर आ गई आरएएफ की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के चलो संसद मार्च के दौरान जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज और तीन प्रदर्शनकारियों के पेलेट गन से घायल होने के मामले में सुरक्षा एजेंसियों के भीतर से बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की महानिरीक्षक (डीजी) सीमा धुंधिया ने स्वीकार किया है कि प्रदर्शनकारियों पर किया गया बल प्रयोग निर्धारित मानकों और आरएएफ की ट्रेनिंग के मुताबिक नहीं था। 22 जुलाई को दिल्ली में तैनात कंपनी कमांडरों और कमांडेंटों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में डीजी सीमा धुंधिया ने माना कि उस दिन फोर्स ग्रेडिएंट यानी परिस्थिति के

हिसाब से कदम दर कदम बल प्रयोग करने में गंभीर चूक हुई है। आंतरिक समीक्षा बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए और भविष्य के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए। डीजी सीमा धुंधिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन जवानों का तबादला हाल ही में जम्मू-कश्मीर या दूसरे स्पेशल ऑपरेशन्स (आतंकवाद रोधी/उग्रवाद रोधी) क्षेत्रों से हुआ है, उन्हें तुरंत दिल्ली जैसे संवेदनशील शहरों में भीड़ नियंत्रण की ड्यूटी में तैनात न किया जाए। कश्मीर या कॉम्बैट जोन में काम करने का माहौल और दृष्टिकोण अलग होता है, जबकि दिल्ली, बिहार, असम और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भीड़ से निपटने के लिए एक बेहद संतुलित, संवेदनशील और धैर्यपूर्ण दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

बिना सुरक्षा गियर ड्यूटी पर दिखे आरएएफ जवान

समीक्षा में पाया गया कि कई जवान बिना बॉडी प्रोटेक्टर और बिना हेलमेट के ड्यूटी करते दिखे, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। अधिकारियों को हिदायत दी गई है कि बिना पूरी सुरक्षा किट (हेलमेट, वाइजर, सुरक्षा गियर) के किसी भी जवान को मैदान में न उतारा जाए। दिल्ली की मौजूदा स्थिति को देखते हुए आगामी आदेशों तक जवानों को पेलेट गन, एंटी-रॉयट गन, इलेक्ट्रिक शॉक वेपन और इलेक्ट्रिक शील्ड जारी करने पर रोक लगा दी गई है। जवानों को कड़ा निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी उकसावे, अभद्र भाषा या व्यक्तिगत टिप्पणियों का जवाब न दें और हर स्थिति में पेशेवर आचरण और संयम बनाए रखें।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में स्नेक बाइट से 4 वर्षीय मासूम की मौत, परिजन झाड़-फूंक कराते रहे

हाजीपुर। वैशाली के बालिगांव थाना क्षेत्र के खोआजपुर बस्ती गांव में सांप के काटने से एक चार वर्षीय मासूम की मौत हो गई। यह घटना शनिवार सुबह हुई, जब बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। मृतक की पहचान खोआजपुर बस्ती गांव निवासी अजीत कुमार के चार वर्षीय पुत्र शिवांश कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि शनिवार सुबह करीब सात बजे शिवांश को घर के बाहर खेलते समय किसी विषैले सांप ने उंगली में काट लिया था। सांप के काटने के बाद परिजन पहले उसे झाड़-फूंक के लिए ले गए। हालांकि, हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद, इलाज के दौरान शिवांश ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर बालिगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। शनिवार देर रात करीब 2:30 बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया। बालिगांव थाना पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, चिकित्सकों ने बरसात के मौसम में सांप काटने की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचने की सलाह दी है, ताकि समय पर उपचार मिलने से मरीज की जान बचाई जा सके।

बिदुपुर पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' से लौटाए दर्जनों मोबाइल, गुम हुए फोन पाकर मालिक खुश

हाजीपुर। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बिदुपुर थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गुम या चोरी हुए दर्जनों मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। लंबे समय बाद अपने मोबाइल वापस मिलने पर धारकों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। बिदुपुर थाना परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित कर ये मोबाइल फोन सौंपे गए। पुलिस अवर निरीक्षक रचना तिवारी ने बताया कि थाना क्षेत्र से गुम या चोरी हुए मोबाइलों की शिकायतें मिली थीं। तकनीकी टीम की मदद से लगातार जांच, सर्विलांस और विश्लेषण के आधार पर इन फोनों को बरामद किया गया। सत्यापन के बाद वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इन्हें मालिकों को सौंपा गया। मोबाइल प्राप्त करने वालों में विकास कुमार भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले उनका मोबाइल बाजार में गुम हो गया था, जिसकी सूचना उन्होंने बिदुपुर थाना में दर्ज कराई थी। विकास ने पुलिस की तत्परता और तकनीकी प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता से आम लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने पर तत्काल नजदीकी थाना या संबंधित पोर्टल पर सूचना दर्ज कराएं। समय पर जानकारी देने से बरामदगी की संभावना बढ़ जाती है। पुलिस ने यह भी बताया कि 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे, जिससे लोगों की खोई हुई संपत्ति वापस मिल सके और जनता का पुलिस पर विश्वास और बढ़े।

चेन छीनते युवक पकड़ा गया:लोगों ने जमकर की धुनाई, दूसरा आरोपी फरार, पुलिस ने बचाकर अस्पताल पहुंचाया

हाजीपुर। हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े चेन छिनतई के आरोप में दो युवकों की भीड़ ने जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने एक घायल युवक को भीड़ से छुड़ाकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना दोपहर करीब 12 बजे रामाशीष चौक के पास हुई। बाइक पर सवार दो युवकों ने एक राहगीर के गले से सोने की चेन झपटी और महुआ मोड़ की ओर भागने लगे। राहगीरों और दुकानदारों ने शोर सुनकर उनका पीछा करना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में महुआ मोड़ के पास लोगों ने दोनों युवकों को घेर लिया। भीड़ ने एक युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी, जबकि दूसरा युवक मौके से फरार होने में सफल रहा। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को भीड़ से छुड़ाया और प्राथमिक उपचार के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका इलाज चल रहा है। पकड़े गए युवक ने पुलिस को बताया कि वह पटना से अपनी बहन को हाजीपुर के रामाशीष चौक लाया था। उसका दावा है कि बहन को मुजफ्फरपुर की बस में बैठाने के दौरान यह घटना हुई। पुलिस उसके इस बयान की सत्यता की जांच कर रही है। सदर थाना पुलिस के अनुसार, घायल युवक की पहचान सिलीगुड़ी जिले के राजगंज थाना क्षेत्र के झंझुपड़ा गांव निवासी राजेश सिंह के पुत्र आकाश दीप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस घटना में 30 वर्षीय सिंटू सिंह, जो अधिक ग्वाला के पुत्र हैं, भी शामिल था, जो मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष ने जानकारी दी कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फरार दूसरे युवक की तलाश में छापेमारी की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

4 दिन में तीन लोगों को लॉरेंस गैंग की धमकी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर व्हाट्सएप के जरिए रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। चार दिनों के भीतर तीन मामला सामने आया है। इस बार साहेबगंज के जिला पार्षद एवं स्कूल संचालक राजेश कुमार सहनी से 1 करोड़ की रंगदारी मांगी गई है। रकम नहीं देने पर उनके अपहरण और पूरे परिवार की हत्या की धमकी दी गई है। मामले में साहेबगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस तकनीकी जांच में जुट गई है। वहीं, एक प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) को भी इसी तरह का धमकी भरा मैसेज मिला है, हालांकि उन्होंने अब तक इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की है। साहेबगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर हजारी निवासी जिला पार्षद राजेश कुमार सहनी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि शुक्रवार रात उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप नंबर से मैसेज आया। प्रोफाइल फोटो पर लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीर लगी थी। मैसेज में लिखा था, 'मैं मुंबई से लॉरेंस बिश्नोई गैंग से बोल रहा हूं। दो से तीन दिन के भीतर 1 करोड़ दे दो, नहीं तो तुम्हारा अपहरण कर लिया जाएगा। पैसा नहीं दिया तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा।' धमकी मिलने के बाद उन्होंने तुरंत साहेबगंज थाना में शिकायत दर्ज कराई और परिवार की सुरक्षा की मांग की। इसी बीच जिले के एक प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को भी इसी तरह का धमकी भरा व्हाट्सएप मैसेज मिलने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर उन्होंने बताया कि फिलहाल उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की है। उनका कहना है कि हाल के दिनों में इस तरह की खबरें सामने आने के बाद उन्हें भी ऐसा मैसेज मिला। प्रथम दृष्टया उन्हें यह किसी की शरारत या बदमाशी लग रही है। उन्होंने कहा कि यदि दोबारा इस तरह का मैसेज आता है या मामला गंभीर प्रतीत होता है, तो वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे।

पूर्व सांसद अर्जुन राय ने राजद से दिया इस्तीफा

मुजफ्फरपुर। बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और सीतामढ़ी के पूर्व सांसद अर्जुन राय ने पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने रविवार को मुजफ्फरपुर शहर के चांदनी चौक स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। अर्जुन राय ने प्रेस वार्ता में बताया कि वह सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और बिहार में पार्टी के प्रदेश नेतृत्व से प्रभावित होकर यह निर्णय लिया है। वर्तमान समय में राजद के काम करने के तौर तरीका ठीक नहीं है। इस अवसर पर अर्जुन राय ने केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के फैसले की सराहना की। उन्होंने बिहार में पंचायत चुनाव से पहले प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का भी स्वागत करते हुए कहा कि सरकार जनहित में बेहतर कार्य कर रही है। अर्जुन राय के इस इस्तीफे और भाजपा में शामिल होने के फैसले को बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनके इस कदम का आगामी चुनावी समीकरणों पर असर पड़ सकता है।

पीएमसीएच में वर्चस्व की लड़ाई में हत्या की साजिश नाकाम

एजेंसी, पटना

- एंबुलेंस संचालक से हुआ विवाद, दो आरोपी गिरफ्तार, 2 देसी कट्टा सहित 6 कारतूस बरामद

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (PMCH) में एंबुलेंस संचालन और पार्किंग को लेकर वर्चस्व का विवाद चल रहा है। इस विवाद के बीच हत्या की एक बड़ी साजिश का पुलिस ने खुलासा किया है। पटना पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट (SIU) ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी एंबुलेंस संचालक गोलू कुमार की हत्या की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुल्तानगंज निवासी मोहम्मद सोहेब अख्तर और पीरबहोर निवासी मोहम्मद शमशाद के रूप में हुई है। यह कार्रवाई पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा के निर्देश पर SIU टीम ने की।

वर्चस्व की लड़ाई बनी हत्या की वजह: पुलिस जांच में सामने आया है कि PMCH परिसर में लंबे समय से एंबुलेंस संचालन को लेकर विभिन्न संचालकों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी। इसी विवाद के कारण पहले भी कई बार कहासुनी और झड़प हो चुकी थी। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गोलू कुमार उनके कारोबार में बाधा बन रहा था, इसलिए उसकी हत्या की योजना बनाई गई थी।

सोफा फैक्ट्री से बरामद हुए हथियार: पुलिस की पूछताछ के बाद आरोपियों की निशानदेही पर एक सोफा कारखाने में छापेमारी की गई। वहां से दो देसी कट्टे, एक पिस्टल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस का दावा है कि इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल हत्या की वारदात को अंजाम देने में किया जाना था।

सुल्तानगंज पुलिस को सौंपे गए आरोपी: दोनों आरोपियों को सुल्तानगंज इलाके से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद SIU ने उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सुल्तानगंज थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क, हथियारों के स्रोत और इस साजिश में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस मामले में और कौन-कौन लोग शामिल थे।

दानापुर में ट्रैक्टर ड्राइवर की गोली मारकर हत्या

एजेंसी, पटना

पटना में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। भाई पप्पू यादव ने कहा कि मेरा भाई बबन ट्रैक्टर ड्राइवर था। उसने घर पर ट्रैक्टर खड़ा किया। इसके बाद उसे किसी का फोन आया और वो पैदल घर से निकला। कुद देर बाद सूचना मिली कि उसे गोली मार दी गई है। उसे गंभीर हालत में दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद बबन का मोबाइल फोन और उसके रुपए भी गायब हैं। पप्पू राय के अनुसार, परिवार का 2021 से अपने चाचा पक्ष से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में चचेरे भाई पिंटू, धर्मवीर समेत अन्य लोगों ने बबन की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र सिकंदरपुर नीतीश आहार की है।

पुलिस पर देर से आने का आरोप: मृतक अपने पीछे पत्नी सीमा देवी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद डायल-112 की पुलिस टीम घटनास्थल पर काफी देर से पहुंची। शाहपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस दोषियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी करेगी।

छात्र निकालेंगे विजय जुलूस, छात्र आंदोलन की जीत पर पप्पू यादव मनाएंगे जश्न

एजेंसी, पटना

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया है। इसे लेकर देशभर में प्रोटेस्ट चल रहे थे। बिहार में भी छात्रों का प्रदर्शन देखने को मिला। आज कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने देशभर में एक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकालने का आह्वान किया है। देश के सभी जिलों में कलेक्टर कार्यालय (कलेक्ट्रेट) के बाहर कार्यक्रम करने की अपील की है। यह मार्च छात्र आंदोलनों और पुलिस कार्रवाई के विरोध में और अपनी बाकी बची मांगों को पूरा करने के दबाव के लिए बुलाया गया है। बिहार में भी कई जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

पप्पू यादव महात्मा गांधी को चढ़ाएंगे पुष्प: दूसरी ओर प्रदेश में शनिवार को AISA की ओर से बिहार बंद किया गया था। इसका असर पूरे बिहार में देखने को मिला और इस दौरान धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफे को छात्र अपनी जीत के तौर पर देख रहे हैं। इसे लेकर आज विभिन्न जगह विजय जुलूस भी निकाला जाएगा। छात्र आंदोलन की हुई एतिहासिक जीत पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी आज 02:30 बजे महात्मा गांधी को गांधी मैदान में पुष्प अर्पित करेंगे।

वहीं, कल धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम से विजय जुलूस निकाला गया। कांग्रेस इसे अपनी जीत बता रही है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी शामिल हुए।

टीआरई-4 विज्ञापन में देरी, छात्र नेता का सरकार को अल्टीमेटम, कहा- जुलाई में विज्ञापन नहीं आया तो शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें

एजेंसी, पटना

बिहार में शिक्षक भर्ती परीक्षा (TRE-4) के विज्ञापन में हो रही देरी को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी बीच छात्र नेता दिलीप कुमार ने शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि जुलाई 2026 के भीतर TRE-4 का विज्ञापन जारी नहीं होता है तो शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों से शिक्षा विभाग और सरकार की ओर से शिक्षक भर्ती को लेकर लगातार तारीखें बदली जा रही हैं और लाखों अभ्यर्थियों को गुमराह किया जा रहा है।

'बदलते बयानों से 15 लाख से अधिक अभ्यर्थी परेशान': दिलीप कुमार ने कहा कि शिक्षा मंत्री पहले कहते रहे कि जुलाई में किसी भी कीमत पर विज्ञापन जारी होगा, फिर कहा गया कि जुलाई के अंतिम सप्ताह तक विज्ञापन आ जाएगा और बाद में बयान बदलकर यह कहा जाने लगा कि 25 जुलाई तक केवल अधियाचना आई। बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) को भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार अपने ही वादे पर कायम नहीं रह सकती तो शिक्षा मंत्री को इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। दिलीप कुमार ने कहा, उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी महीनों से तैयारी कर रहे हैं, लेकिन सरकार भर्ती प्रक्रिया की स्पष्ट समयसीमा बताने से बच रही है।

आंदोलन की चेतावनी दी

46 हजार पदों पर भर्ती का वादा निभाने की मांग: छात्र नेता ने कहा, सरकार पहले करीब 46 हजार पदों पर शिक्षक भर्ती निकालने की बात कह चुकी है। ऐसे में अब पदों की संख्या कम नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकार अपने वादे के अनुरूप सभी स्वीकृत पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करे और TRE-4 का विज्ञापन जल्द जारी करे, ताकि अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हो सके।

'विज्ञापन नहीं आया तो होगा लोकतांत्रिक आंदोलन': दिलीप कुमार ने चेतावनी दी कि यदि जुलाई के भीतर TRE-4 का विज्ञापन जारी नहीं किया गया तो छात्र लोकतांत्रिक तरीके से राज्यव्यापी आंदोलन करेंगे। मुख्यमंत्री और शिक्षा विभाग ने जुलाई में प्रक्रिया आगे बढ़ाने का भरोसा दिया था, इसलिए सरकार को अपने वादे पर अमल करना चाहिए।

25 जुलाई तक अधियाचना भेजने का दिया गया था निर्देश: 7 जुलाई 2026 को शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में TRE-4 की तैयारियों की समीक्षा की गई थी। बैठक में अधिकारियों को 25 जुलाई तक बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) को अधियाचना भेजने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद अभ्यर्थियों के बीच यह सवाल और तेज हो गया कि आखिर शिक्षक भर्ती परीक्षा का विज्ञापन कब जारी होगा, क्योंकि सरकार की ओर से अब तक इसकी कोई निश्चित तिथि घोषित नहीं की गई है।

लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को 14 दिन की जेल, बड़े भाई के साथ खड़े हुए तेजस्वी

बोले-सम्राट चौधरी खुद गुंडे, उन पर हत्या के 7 केस

एजेंसी, पटना

बंद में शामिल हुए RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को अरेस्ट कर बेउर जेल भेज दिया है। शनिवार रात 12:15 बजे तेज प्रताप को पुलिस नौबतपुर थाने से लाकर छज्जू बाग स्थित मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में बेउर जेल भेज दिया गया। तेजप्रताप यादव को जेल भेजे जाने के नेता प्रतिपक्ष और उनके छोटे भाई उनके पक्ष में खड़े हो गए हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि आंदोलन खत्म होने के बाद बिहार में आंदोलन में शामिल लोगों को जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेरे बड़े भाई को भी जेल में डाला गया। वहीं पीके ने कहा कि उन्होंने हमें समर्थन दिया उसके बाद उन्हें जेल में डाल दिया गया।

तेजस्वी बोले- सीवान में छात्रों पर AK-47 से फायरिंग की गई: 24 दिन बाद विदेश से लौटे तेजस्वी ने कहा कि पिछले कई दिनों से छात्र अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर आंदोलन कर रहे थे। दिल्ली में छात्रों की मांग मान ली गई और यह फैसला हुआ कि आंदोलन के दौरान जिन छात्रों पर मुकदमे दर्ज हुए हैं, उन्हें वापस लिया जाएगा। लेकिन बिहार में सरकार छात्रों पर कार्रवाई कर रही है और उन्हें जेल भेजा जा रहा है। सीवान में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने AK-47 से फायरिंग की।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि पटना समेत कई जिलों में छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को हिरासत में लिया गया और हजारों छात्रों के नाम एफआईआर में शामिल किए गए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

तेजप्रताप के वकील बोले- FIR की कॉपी तक नहीं दी: तेजप्रताप यादव के वकील जगन्नाथ सिंह ने कहा कि तेज प्रताप यादव को सिटी सेंटर मॉल से 25 जुलाई की शाम 7.30 बजे गिरफ्तार किया गया था। मॉल के सीसीटीवी फुटेज से इस बात का पता चलता है। तेजप्रताप यादव के वकील ने बताया कि उन्होंने जेजेडी सुप्रीमो को रिहा करने की गुहार कोर्ट में लगाई है।

वकील ने बताया कि मैंने जज के सामने दलील दी है, 'मैं रात साढ़े दस बजे नौबतपुर थाने पहुंचा था। मैंने एसपी और एएसपी दोनों से गिरफ्तारी की वजह पूछी थी। घरवालों को भी पता नहीं था कि उन्हें रात 7.30 बजे से अरेस्ट कर के रखा गया है। इसके बाद पुलिसवालों ने कहा कि गांधी मैदान से FIR आ रहा है। आते-आते एक घंटा लगा। इसके बाद उनलोगों ने कहा कि मजिस्ट्रेट के यहां चलते हैं। हमें FIR की कॉपी तक नहीं दी गई है। पटना हाईकोर्ट के वकील जगन्नाथ सिंह ने कहा कि तेजप्रताप की गिरफ्तारी के बाद हत्या की कोशिश की धारा लगाई गई है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष को जान से मारने की मिली धमकी

एजेंसी, पटना

- अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर की गाली-गलौज, गांधी मैदान थाने में केस दर्ज, सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

बिहार भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और बिस्फी के पूर्व विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में उन्होंने पटना के गांधी मैदान थाने में लिखित शिकायत देकर FIR दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने अज्ञात व्यक्ति पर फोन कर गाली-गलौज करने, धमकी देने और उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिभूषण ठाकुर बचौल ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि 25 जुलाई 2026 की शाम करीब 8:46 बजे उनके मोबाइल नंबर 9771629033 और 9431086734 पर मोबाइल नंबर 9631486536 से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने बातचीत के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के अनुसार, कॉल करने वाला लगातार आपत्तिजनक बातें करता रहा, जिससे उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता हुई। आवेदन में बचौल ने बताया कि धमकी मिलने के बाद उन्होंने संबंधित नंबर पर दोबारा संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं किया गया। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की जानकारी लिखित रूप से गांधी मैदान थाना पुलिस को दी और आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

सावन में विराट रामायण मंदिर में करें रुद्राभिषेक, बुकिंग शुरू

एजेंसी, पटना

सावन माह की शुरुआत 30 जुलाई से हो रही है। इस बार सावन में चार सोमवार पड़ेंगे, जिसमें से पहली सोमवारी 3 अगस्त को होगी। इस बार पटना के महावीर मंदिर के साथ-साथ कैथवलिया विराट रामायण मंदिर के शिव मंडप में स्थापित शिवलिंग पर भी रूद्राभिषेक कराया जाएगा। इसके लिए 1100 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को पूजा की सामग्री खुद ही लेकर आनी होगी। रूद्राभिषेक के लिए पटना से पुजारी विराट रामायण मंदिर जाएंगे।

विराट रामायण मंदिर में फिलहाल आकर्षण का केंद्र विश्व का सबसे बड़ा 33 फीट का सहस्त्रलिंगम स्थापित हो चुका है। यहां लोग पूजा पाठ कर सके इसके लिए इस शिवलिंग से हटकर एक शिव मंडप का निर्माण किया गया है, जहां पूजा-पाठ, जलाभिषेक और रूद्राभिषेक करने के लिए शिवलिंग स्थापित किया गया है। विराट रामायण मंदिर में प्रतिदिन चार से पांच हजार भक्त पहुंच जाते हैं। सावन में यह भीड़ और बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। उसी तरह से व्यवस्था भी की जाएगी। श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल का कहना है कि सावन के दौरान महावीर मंदिर और विराट रामायण मंदिर के शिव मंडप में रूद्राभिषेक कराने आने वाले भक्तों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो, इसे ध्यान में रखने का निर्देश दिया गया है। महावीर मंदिर में सुबह 5 बजे से पूजा शुरू हो जाएगी। मंदिर में बुकिंग कराने के बाद भक्त को किसी तरह की कोई पूजा सामग्री लाने की जरूरत नहीं होगी।

आईजीआईएमएस में बच्चों के आंखों के कैंसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, रेटिनोब्लास्टोमा की समय पर पहचान पर जोर

एजेंसी, पटना

- 100 से अधिक विशेषज्ञ हुए शामिल, 'हैसल-फ्री' चिकित्सा का संकल्प

पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में बच्चों के आंखों के कैंसर रेटिनोब्लास्टोमा पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी और वैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य रेटिनोब्लास्टोमा की समय पर पहचान, बेहतर इलाज और मरीजों को घर के पास गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपलब्ध कराना है। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय चक्षु संस्थान (RIO), स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (SCI) और बच्चों के कैंसर के क्षेत्र में कार्यरत संस्था CANKID द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

संगोष्ठी में IGIMS, एम्स पटना सहित विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के 100 से अधिक चिकित्सकों, विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। CANKID की पूरी टीम भी इसमें मौजूद रही। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यसभा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'बच्चों के कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे परिवारों के लिए कार्य कर रही संस्थाओं का योगदान अत्यंत सराहनीय है।' उन्होंने ऐसे बच्चों और इस दिशा में कार्यरत संस्थाओं को हरसंभव सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।

रेटिनोब्लास्टोमा कैंसर की जल्द पहचान बड़ी चुनौती- पूनम बगाई: CANKID की चेयरपर्सन पूनम बगाई ने बिहार में बच्चों के कैंसर उपचार की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया, 'राज्य में उपचार सुविधाओं में सुधार हुआ है, लेकिन रेटिनोब्लास्टोमा जैसे कैंसर की जल्द पहचान अब भी एक बड़ी चुनौती है। समय पर पहचान से बच्चों का इलाज शुरू हो सकेगा और उन्हें अपने घर के आसपास बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी।' बगाई ने यह भी बताया, 'CANKID केवल आर्थिक सहायता ही नहीं देता, बल्कि इलाज के दौरान बच्चों और उनके परिवारों को मानसिक और सामाजिक सहयोग भी प्रदान करता है। संस्था दवाओं, जांच, रहने की व्यवस्था और उपचार के दौरान आने वाली अन्य कठिनाइयों में भी परिवारों की लगातार मदद करती है। इस अवसर पर CANKID की ओर से डॉ. शोभा और डॉ. हरीश ने भी बच्चों के कैंसर से जुड़े अनुभव और संस्था की कार्यप्रणाली साझा की।

IGIMS के निदेशक प्रो. (डॉ.) बिंदे कुमार ने अपने संबोधन में संस्थान में बच्चों के कैंसर उपचार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्थान लगातार आधुनिक सुविधाओं का विस्तार कर रहा है, ताकि मरीजों को राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता न पड़े।

संक्षिप्त समाचार

हत्या के प्रयास मामले में फरार 13 आरोपियों के घर चस्पा हुए इश्तेहार, 15 दिन में आत्मसमर्पण नहीं करने पर होगी कुर्की

बीएनएम@ रामगढ़वा। रामगढ़वा थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास, दंगा और गंभीर मारपीट के मामले में फरार चल रहे 13 आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके घरों पर न्यायालय के आदेशानुसार इश्तेहार चस्पा किए। पुलिस ने आरोपियों को 15 दिनों के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। निर्धारित अवधि में हाजिर नहीं होने पर उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई रामगढ़वा थाना कांड संख्या 232/26, दिनांक 11 मई 2026 में की गई। थानाध्यक्ष के निर्देश पर एसआई धर्मेंद्र कुमार, एसआई मनीष कुमार एवं पुलिस बल ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए फरार आरोपियों के घरों पर इश्तेहार चस्पाए। पुलिस के अनुसार जिन आरोपियों के घरों पर इश्तेहार चस्पाए गए हैं, उनमें बिगु राम, साजन राम, सचिन राम, भरत राम, अनिल राम, सुनील राम, अशोक राम, सोनी देवी, रीमा देवी, रिंकू देवी, तेतरी देवी, सविता देवी और सनफुला देवी शामिल हैं। थाना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय द्वारा निर्धारित 15 दिनों की अवधि के भीतर यदि सभी आरोपी आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध विधि सम्मत कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि फरार आरोपियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून से बचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोगलचक में आठ लीटर बीयर के साथ आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ समस्तीपुर। जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत करीमनगर पंचायत के मोगलचक गांव में शराबबंदी कानून के तहत एंटी लिकर टास्क फोर्स ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 8 लीटर बीयर के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जब्त की गई बीयर को कब्जे में लेकर आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।एएलटीएफ प्रभारी अफरोज अहमद ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मोगलचक गांव निवासी नथुनी राय अपने घर पर अवैध रूप से बीयर का भंडारण किए हुए है। सूचना के आधार पर तत्काल छापेमारी दल का गठन किया गया और सत्यापन के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की, जिसमें नथुनी राय को 8 लीटर बीयर के साथ धर दबोचा गया। बरामद शराब को जब्त करते हुए आरोपी के खिलाफ मोहिउद्दीन नगर थाना कांड संख्या 205/26 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।वहीं, थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने पुष्टि करते हुए बताया कि एएलटीएफ प्रभारी के नेतृत्व में यह सफल छापेमारी की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस और एएलटीएफ की संयुक्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, आधा दर्जन लोग घायल

बीएनएम@ शेखपुराः सिरारी थाना क्षेत्र के मदारी गांव में वर्षों से चले आ रहे पुराने विवाद को लेकर रविवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और खूनी संघर्ष हो गया। कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक हो गया, जिसमें दोनों पक्षों के करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए।एक पक्ष की शांति देवी ने आरोप लगाया कि नंदकिशोर राम, रोशन राम और रामनरेश राम समेत अन्य लोगों ने रड व लाठी-डंडों से हमला कर शंभू राम, शांति देवी, नीरज कुमार और सचिन कुमार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को शेखपुरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि दूसरे पक्ष से भी दो लोगों के घायल होने की सूचना है।सिरारी थाना के सब इंस्पेक्टर निखिल भास्कर ने बताया कि वर्षों पुराने इस विवाद की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से आवेदन मिला है और पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है।

युवा स्वयंसेवक बनेंगे बदलाव के वाहक, छह दिवसीय 'मेरा भारत' प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

बीएनएम@ मोतिहारी

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के 'मेरा भारत' (एमवाई भारत) के तत्वावधान में आईसीएआर–महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान, पिपराकोठी में आयोजित छह दिवसीय 'मेरा भारत' युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डिप्टी मेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद एवं जिला युवा अधिकारी अंकिता ने प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। डॉ. प्रसाद ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त युवा अपने गांव और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। जिला युवा अधिकारी अंकिता ने बताया कि 'मेरा भारत' पंजीकरण अभियान के तहत पूर्वी चंपारण जिले में 15 अगस्त तक 2.41 लाख युवाओं के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने स्वयंसेवकों से अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाकर अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान सरकार की प्राथमिकता है और युवा स्वयंसेवक पंचायत, विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को नेतृत्व विकास, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) की भूमिका, युवा क्लब गठन एवं प्रबंधन, डिजिटल कार्यालय कार्य, सामाजिक मीडिया प्रबंधन, प्रतिवेदन लेखन, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, योग, फिट इंडिया अभियान, साइबर सुरक्षा तथा सामुदायिक सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी दीपांकर सिंह (सिवान), डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुनील दीपक गोड़के, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला, रानू कुमारी, जिला युवा अधिकारी सकेत मित्तल (जशपुर), आपदा प्रबंधन टीम सहित अन्य विशेषज्ञों ने तकनीकी एवं प्रेरक सत्रों का संचालन किया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव साझा करते हुए समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, युवा सशक्तीकरण तथा नशा मुक्त भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान और कौशल का उपयोग अपने-अपने क्षेत्रों में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के लिए करेंगे।

एमए (हिंदू अध्ययन) में नामांकन का अंतिम अवसर, 80% सीटें भरने के बाद 27 जुलाई को सीट सुरक्षित कराने की अपील

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संचालित एमए (हिंदू अध्ययन) पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए अंतिम अवसर शेष है। पाठ्यक्रम शुरू होने के महज एक सप्ताह के भीतर ही 80 प्रतिशत सीटें भर चुकी हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने बताया कि शेष सीटों पर भी तेजी से नामांकन हो रहा है, इसलिए छात्र-छात्राएं 27 जुलाई 2026 को गांधी भवन, बनकट परिसर स्थित संस्कृत विभाग पहुंचकर अपनी सीट सुरक्षित करा लें। उन्होंने कहा कि हिंदू अध्ययन पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थियों का बढ़ता रुझान इसकी उपयोगिता और रोजगारपरक संभावनाओं को दर्शाता है। यह पाठ्यक्रम न केवल रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराता है, बल्कि विद्यार्थियों के आचार, विचार, व्यवहार एवं जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी सहायक है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व के विकास के साथ परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व के कल्याण की दिशा में भी सार्थक योगदान दे सकते हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित है, लेकिन वर्तमान गति को देखते हुए सभी सीटें इससे पहले ही भर जाने की संभावना है। उन्होंने सभी इच्छुक छात्र-छात्राओं से समय रहते नामांकन प्रक्रिया पूरी करने की अपील करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक स्वर्णिम अवसर है। साथ ही उन्होंने सभी आगंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

एक वर्ष की सेवा पूरी होने पर नवनियुक्त प्रधान शिक्षकों ने साझा किए अनुभव, शिक्षा व्यवस्था को और सशक्त बनाने का लिया संकल्प

बीएनएम@ चिरैया (पूर्वी चंपारण)

चिरैया प्रखंड के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत नवनियुक्त प्रधान शिक्षकों ने अपनी सेवा का एक वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होने के अवसर पर आदर्श मध्य विद्यालय परिसर में अनुभव साझा कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में प्रधान शिक्षकों ने बीते एक वर्ष की उपलब्धियों, चुनौतियों और अनुभवों पर चर्चा करते हुए शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान शिक्षक अबुल कासिम ने की। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान प्रधान शिक्षकों के नेतृत्व में विद्यालयों के बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और विद्यालयी वातावरण में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने इसे ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था के लिए सकारात्मक परिवर्तन बताते हुए कहा कि आने वाले समय में भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ विद्यालयों के विकास के लिए कार्य किया जाएगा। बैठक में विद्यालयों में सकारात्मक बदलाव, बेहतर शैक्षणिक माहौल, शिक्षकों के बीच आपसी समन्वय तथा विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए साझा मंच के गठन पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधान शिक्षक जय प्रकाश नारायण, कार्तिक कुमार और विजय कुमार ने विद्यालय संचालन में टीम भावना और सहयोग को सफलता की कुंजी बताते हुए कहा कि सभी शिक्षकों को साथ लेकर चलने से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम में महिला प्रधान शिक्षिकाओं की सक्रिय भूमिका की भी सराहना की गई। उन्होंने विद्यालय संचालन के दौरान आने वाली प्रशासनिक एवं शैक्षणिक चुनौतियों के साथ-साथ उनके समाधान से जुड़े अनुभव साझा किए। उनका कहना था कि सामूहिक प्रयास और बेहतर समन्वय से शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विभागीय विसंगतियों एवं व्यावहारिक समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जल्द ही प्रधान शिक्षकों की एक विस्तृत बैठक आयोजित कर एक सशक्त साझा मंच का गठन किया जाएगा, ताकि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों का प्रभावी ढंग से समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर प्रधान शिक्षक अरुण कुमार दास, जय प्रकाश कुमार, मो. ओकाश अहमद, मुकेश, नवीन कुमार, प्रवीन कुमार, प्रियंका कुमारी, रश्मि कुमारी, श्वेता कुमारी, सुबोध कुमार, सुमन कुमारी, कुमारी रंजना सहित बड़ी संख्या में प्रधान शिक्षक उपस्थित रहे।

ताज होटल, पटना में लायंस डिस्ट्रिक्ट 322 ई का स्थापना समारोह 'आरोहण' संपन्न, रक्सौल लायंस क्लब को मिला सम्मान

बीएनएम@ रक्सौल

लायंस डिस्ट्रिक्ट 322 ई का स्थापना समारोह 'आरोहण' राजधानी पटना स्थित ताज होटल में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में देश-विदेश से आए लायंस पदाधिकारियों, समाजसेवियों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बनाया। इस दौरान रक्सौल लायंस क्लब के सदस्यों को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायनिस्टिक वर्ष 2026-27 की जिलापाल लायन संगीता नंदा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में केन्या से पधारे लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रथम उपाध्यक्ष लायन डॉ. मनोज शाह एवं उनकी धर्मपत्नी लायन जेना शाह उपस्थित रहे। इसके अलावा पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन बी.के. लूथरा, बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, डॉ. झा, बिमल जैन सहित कई पूर्व एवं वर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नरों ने समारोह में भाग लिया। समारोह के दौरान लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के वरिष्ठ सदस्य लायन बिमल सर्राफ एवं लायन साइमन रेक्स को एलसीआईएफ (लायंस क्लब्स इंटरनेशनल फाउंडेशन) में उत्कृष्ट योगदान के लिए एप्रिसिएशन अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर रक्सौल लायंस क्लब के सदस्यों में खुशी और गर्व का माहौल रहा। कार्यक्रम में वर्ष 2026-27 के प्रथम उपजिलापाल लायन अविनाश चौधरी, द्वितीय उपजिलापाल लायन गीता शर्मा तथा डिस्ट्रिक्ट के सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रथम उपाध्यक्ष डॉ. मनोज शाह ने दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के माध्यम से सेवा, समर्पण और नेतृत्व के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. मनोज शाह ने लायंस क्लब की सेवा भावना, मानवता के प्रति दायित्व और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना नहीं, बल्कि समाज में स्थायी और सकारात्मक बदलाव लाना भी है। समारोह में लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के पूर्व अध्यक्ष लायन बिमल सर्राफ, लायन नारायण रुंगटा एवं पूर्व कोषाध्यक्ष लायन अमित कुमार ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। वहीं रक्सौल क्लब के पूर्व अध्यक्ष लायन साइमन रेक्स एवं पूर्व सचिव लायन मोहम्मद निजामुद्दीन को डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से क्लब की मजबूत उपस्थिति और सक्रिय भूमिका भी सामने आई। समारोह के सफल आयोजन पर सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आयोजन समिति की सराहना की। यह आयोजन लायंस डिस्ट्रिक्ट 322 ई के नए सत्र 2026-27 के लिए सेवा, नेतृत्व, संगठनात्मक एकजुटता और सामाजिक सरोकारों को नई दिशा देने वाला साबित हुआ।

भारत विकास परिषद् की मेंहदी प्रतियोगिता में छात्राओं व महिलाओं ने दिखाई सृजनात्मक प्रतिभा

रक्सौल, मोतिहारी और नेपाल के बीरगंज से प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा, विजेताओं को मेडल व प्रशस्ति-पत्र देकर किया गया सम्मानित

बीएनएम@ रक्सौल

भारत विकास परिषद्, शाखा–रक्सौल के तत्वावधान में संस्कृति सप्ताह–2026 के अंतर्गत रविवार को श्री सत्यनारायण मारवाड़ी पंचायती मंदिर परिसर में भव्य मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। न्यू परिधान, गायत्री टाइल्स, छवि सैलून एवं सुहाना मेंहदी के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में रक्सौल, मोतिहारी सहित आसपास के क्षेत्रों और पड़ोसी देश नेपाल के बीरगंज से आई छात्राओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अवर निबंधक आशीष अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि सुप्रिया ड्रोलिया, भारत विकास परिषद् शाखा–रक्सौल के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी, सचिव नरेश कुमार, महिला सहभागिता संयोजिका मेनका गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार, कैलाश चंद्र काबरा, मोनिका आर्य एवं मीतू गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन हुआ। अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में करीब 70 छात्राओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। परिषद् के सचिव नरेश कुमार ने स्वागत भाषण में परिषद् की गतिविधियों एवं संस्कृति सप्ताह के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति, पारंपरिक कला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रभावी माध्यम हैं। महिला सहभागिता संयोजिका मेनका गुप्ता एवं कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार ने कहा कि भारत विकास परिषद् अपने पंचसूत्र—संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण—के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं एवं महिलाओं की रचनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। सेवा संयोजक बिमल कुमार सर्राफ ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने के साथ-साथ बच्चों और महिलाओं में आत्मविश्वास एवं रचनात्मक सोच का विकास करते हैं। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने अपनी हथेलियों पर आकर्षक एवं कलात्मक मेंहदी डिजाइन उकेरकर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। निर्णायक मंडल में मेनका गुप्ता, मोनिका आर्य एवं बबली गुप्ता शामिल थीं। उनके निर्णय के आधार पर मुस्कान गुप्ता को प्रथम, खुशी कुमारी को द्वितीय तथा आराध्या गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विजेताओं को मेडल, प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं बालसन हर्बल की ओर से उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के अंत में छवि सैलून की संचालिका मोनिका आर्य एवं कैलाश चंद्र काबरा को प्रतियोगिता के सफल आयोजन में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार ने किया। मुख्य अतिथि आशीष अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि सुप्रिया ड्रोलिया ने भारत विकास परिषद् द्वारा आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति, परंपरा और कला के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में नरेश कुमार, बिमल कुमार सर्राफ, अजय कुमार, नीतेश कुमार सिंह, अरविंद जायसवाल, उमेश सिकारिया, सीताराम गोयल, सुरेश धानोठिया, विनोद रौनियार, विनोद कुमार, दिनेश प्रसाद, संतोष कुमार, अशोक कुमार (मुन्ना), प्रतीक कुमार, सुनील कुमार, बबली गुप्ता, सीमा गुप्ता, किरण गुप्ता, ममता गुप्ता एवं सोनी गुप्ता सहित परिषद् के अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। इसकी जानकारी परिषद् के संपर्क संयोजक उमेश सिकारिया एवं सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने संयुक्त रूप से दी।

रेज्ड बेड प्लांटर से अरहर की बुवाई का सजीव प्रदर्शन, आधुनिक तकनीक से बढ़ेगी उपज और घटेगी लागतः डॉ. अंशु गंगवार

बीएनएम@ मोतिहारी

कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी के प्रक्षेत्र में किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने के उद्देश्य से रेज्ड बेड प्लांटर के माध्यम से अरहर (राजेन्द्र अरहर-1) की बुवाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कृषि अभियांत्रिकी विशेषज्ञ डॉ. अंशू गंगवार ने किया, जिसमें किसानों को उन्नत बुवाई तकनीक, उसके लाभ और वैज्ञानिक फसल प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ. अंशू गंगवार ने बताया कि खरीफ मौसम में अरहर प्रमुख दलहनी फसल है और इसकी बुवाई के लिए जुलाई सबसे उपयुक्त समय होता है। उन्होंने कहा कि रेज्ड बेड प्लांटर से बुवाई करने पर प्रति एकड़ मात्र 8 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। इस तकनीक से बुवाई के साथ ही उर्वरकों का संतुलित प्रयोग भी हो जाता है, जिससे समय, श्रम और लागत में कमी आती है। उन्होंने बताया कि ऊंची क्यारी विधि में बीज को लगभग 2 इंच की गहराई पर बोया जाता है तथा क्यारियों के बीच 2 फीट की दूरी रखी जाती है। क्यारी की चौड़ाई 2 फीट और ऊंचाई करीब 1.5 फीट रखने की सलाह दी गई। उन्होंने किसानों को बताया कि रेज्ड बेड तकनीक अपनाने से वर्षा के दौरान खेत में जलभराव की समस्या नहीं होती, क्योंकि अतिरिक्त पानी नालियों के माध्यम से बाहर निकल जाता है। मशीन से निश्चित दूरी और गहराई पर बीज एवं उर्वरक गिरने के कारण 20 से 25 प्रतिशत तक बीज की बचत होती है तथा अंकुरण भी बेहतर होता है। ऊंची और भुरभुरी मिट्टी में जड़ों का विकास बेहतर होने से फफूंदजनित रोगों का खतरा कम रहता है। साथ ही खरपतवार नियंत्रण आसान होने से श्रम लागत घटती है और उपज में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि संभव होती है। डॉ. गंगवार ने यह भी बताया कि अरहर की जड़ों में बनने वाली गांठें (नोड्यूल) वातावरण की नाइट्रोजन को स्थिर कर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वहीं रेज्ड बेड तकनीक से उर्वरक सीधे पौधों की जड़ों तक पहुंचता है, जिससे पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग होता है और खाद का रिसाव कम होता है। इस अवसर पर मृदा विशेषज्ञ डॉ. आशीष राय ने किसानों को संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बीज की बुवाई से पहले नैनो डीएपी, राइजोबियम एवं पीएसबी कल्चर से बीजोपचार करना चाहिए। इसके अलावा शुरुआती वृद्धि के लिए 15–20 किलोग्राम नाइट्रोजन, जड़ों के बेहतर विकास के लिए 50–60 किलोग्राम फास्फोरस, दानों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए 20 किलोग्राम सल्फर तथा 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर जिंक सल्फेट का प्रयोग लाभकारी होता है। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. अभय कुमार सिंह ने कहा कि किसानों ने रेज्ड बेड प्लांटर की कार्यप्रणाली को निकट से समझा और आधुनिक कृषि यंत्रीकरण तकनीकों को अपनाने में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि ऐसी वैज्ञानिक तकनीकों के प्रयोग से किसानों की लागत घटेगी, उत्पादन बढ़ेगा और खेती अधिक लाभकारी बनेगी।

संक्षिप्त समाचार

राजद को झटका : सीतामढ़ी के पूर्व सांसद अर्जुन राय ने दिया इस्तीफा

भाजपा में जाने की चर्चा तेज

बीएनएम@ सीतामढ़ी: सीतामढ़ी में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को बड़ा झटका लगा है। सीतामढ़ी के पूर्व सांसद एवं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री अर्जुन राय ने राजद की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हैं कि वह जल्द ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम सकते हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।इधर, प्रातः आवाज की टीम ने इस संबंध में राजद के सीतामढ़ी जिलाध्यक्ष सुनील कुशवाहा से बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें अभी इस मामले की आधिकारिक जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्हें भी अन्य लोगों के माध्यम से अर्जुन राय के इस्तीफे की सूचना मिल रही है। गौरतलब है कि इससे पहले सीतामढ़ी की चर्चित महिला नेत्री रितु जायसवाल ने भी राजद से इस्तीफा दिया था। लगातार हो रहे इन इस्तीफों के बाद राजद की प्रदेश इकाई के कामकाज और नेतृत्व शैली पर सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का इस तरह बाहर होना संगठन के लिए चिंता का विषय हो सकता है। फिलहाल अर्जुन राय ने अपने अगले राजनीतिक कदम की औपचारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगातार लगाई जा रही हैं। अब सभी की नजर उनके अगले फैसले और राजद की प्रतिक्रिया पर टिकी है।

अपराधियों ने प्रॉपर्टी डीलर को मारी 7 गोलियां, हत्या से दहशत

बीएनएम@ सीतामढ़ी: बिहार बंद के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के दावों के बीच अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है। शनिवार रात करीब 8:30 बजे रीगा थाना क्षेत्र के मेहदीनगर/भवदेपुर बाजार में बेखौफ अपराधियों ने ठेकेदार एवं प्रॉपर्टी डीलर दिनेश यादव की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अपराधियों ने दिनेश यादव पर ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए करीब सात गोलियां मारीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। व्यस्त बाजार में हुई इस दुस्साहसिक घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया है।सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और इलाके की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि बिहार बंद को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम होने के बावजूद बीच बाजार हुई इस हत्या ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल हत्या के स्पष्ट कारणों का खुलासा नहीं हुआ है, और पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच में जुटी है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष हरिभूषण ठाकुर बचौल को जान से मारने की धमकी

बीएनएम@ पटना। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और बिस्फी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल को फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह घटना 25 जुलाई की रात पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र स्थित सिद्धेश्वर नगर के ग्रीन हेरिटेज अपार्टमेंट में हुई।

बचौल ने इस संबंध में पाटलिपुत्र थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।शिकायत के अनुसार, 25 जुलाई की रात करीब 8:46 बजे उनके एक मोबाइल नंबर पर अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, और कुछ देर बाद उसी व्यक्ति ने उनके दूसरे नंबर पर भी कॉल किया। कॉलर ने बातचीत के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी। बचौल ने बताया कि उस नंबर से कई बार मिस्ड कॉल भी किए गए थे। ट्रूकॉलर ऐप के माध्यम से जांच करने पर कॉलर का नाम 'मो. इमानुल' प्रदर्शित हुआ। हालांकि, पुलिस का कहना है कि ट्रूकॉलर का नाम वास्तविक पहचान का प्रमाण नहीं होता, इसलिए नंबर के असली धारक का पता तकनीकी जांच के बाद ही चल सकेगा।अपने स्पष्ट और मुखर बयानों के लिए चर्चित पूर्व विधायक को मिली इस धमकी के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। पाटलिपुत्र थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कॉल डिटेल रिकॉर्ड और मोबाइल नंबरों के आधार पर जांच शुरू कर दी है तथा आरोपी की जल्द पहचान करने का दावा किया है।

पंचायत विकास दिवस पर ग्रामसभा आयोजित, जीपीडीपी के माध्यम से विकास कार्यों की बनी रूपरेखा

बीएनएम@ सुपौल। जिले के छातापुर पंचायत मुख्यालय स्थित पंचायत भवन में रविवार को पंचायत विकास दिवस के अवसर पर ग्रामसभा का आयोजन किया गया। मुखिया बीवी साजदा खातुन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 की ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) तैयार करने सहित पंचायत के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राकेश गुप्ता, मुखिया प्रतिनिधि मकसूद मसन, उपमुखिया संजीव सहनी, पंचायत प्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राकेश गुप्ता ने वार्ड सदस्यों से पात्र परिवारों का राशन कार्ड बनवाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना जनप्रतिनिधियों की अहम जिम्मेदारी है।उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत विकास योजना के माध्यम से पंचायत का सतत, समग्र और समावेशी विकास सुनिश्चित किया जाएगा। इसके तहत आगामी वित्तीय वर्ष के लिए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को योजना में शामिल किया जा रहा है।बैठक में पंचायत परिसीमन के विषय पर भी जानकारी दी गई। बीडीओ ने कहा कि आबादी के आधार पर छातापुर पंचायत का विभाजन कर दो पंचायतों का गठन किया जाएगा।

कचरे से कमाईः मधुबनी का सुखेत मॉडल बना देश के लिए मिसाल

बीएनएम@ पटना

» गोबर के बदले ग्रामीणों को एलपीजी रिफिल का लाभ
» वर्मी कंपोस्ट से बढ़ी आय और मिला रोजगार

जिले के झंझारपुर प्रखंड स्थित सुखेत ग्राम पंचायत ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में देश भर में एक अनूठी मिसाल पेश की है। यहां कभी गलियों और खुले स्थानों पर बिखरा रहने वाला गोबर और जैविक कचरा अब ग्रामीणों के लिए कमाई का मुख्य जरिया बन गया है। इस अभिनव पहल की शुरुआत मछड़ी गांव के प्रगतिशील किसान सुनील कुमार ने की है। इस मॉडल की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 'मन की बात' कार्यक्रम में इसकी सराहना कर चुके हैं।पशुपालन बहुल इस गांव में पहले बड़ी मात्रा में गोबर खुले में पड़ा रहता था, जिससे भयंकर गंदगी और संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता था। इस समस्या के समाधान के लिए सुनील कुमार ने ग्रामीणों को जोड़कर जैविक कचरे के प्रसंस्करण की व्यवस्था शुरू की। शुरुआत में करीब 50 से 60 परिवारों को जोड़ा गया, जिनके घरों से प्रतिदिन दो बार ठेलों के माध्यम से कचरा एकत्र किया जाता है। इसके लिए 70 फीट लंबे और 20 फीट चौड़े दो बड़े शेड तैयार किए गए हैं, जहां वर्मी कंपोस्टिंग यूनिट के जरिए जैविक खाद बनाई जाती है।इस केंद्र में हर महीने करीब 100 क्विंटल गोबर और कचरे का प्रसंस्करण किया जाता है, जिससे लगभग 35 से 40 क्विंटल उत्तम वर्मी कंपोस्ट तैयार होती है। इसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा का तकनीकी सहयोग मिल रहा है और विश्वविद्यालय स्वयं इस खाद का प्रमुख खरीदार है। इस मॉडल की सबसे खास पहल अनूठा 'एलपीजी कूपन सिस्टम' है, जिसके तहत 1200 किलोग्राम गोबर देने वाले ग्रामीण को एक एलपीजी सिलेंडर रिफिल का कूपन दिया जाता है। इस सफल पहल से सुनील कुमार को सालाना करीब 3 लाख रुपये की आमदनी हो रही है, साथ ही छह स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिला है।

पटना लौटते ही नेता प्रतिपक्ष ने बिहार सरकार पर बोला तीखा हमला

छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं हुए तो राज्यव्यापी आंदोलन : तेजस्वी

बीएनएम@ पटना

» तेज प्रताप यादव सहित कई लोगों को जेल भेजना सरकार का तानाशाही रवैया
» युवाओं के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय

करीब 24 दिनों की विदेश यात्रा से लौटने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पटना एयरपोर्ट पर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने छात्रों के आंदोलन को लेकर सरकार पर दमनात्मक रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए गए और गिरफ्तार लोगों को रिहा नहीं किया गया, तो राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पूरे बिहार में बड़ा आंदोलन करेगा। मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रखने वाले छात्रों और विपक्ष की आवाज को पुलिस के बल पर दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। तेजस्वी यादव ने दिल्ली और बिहार की स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि हाल के छात्र आंदोलन के दौरान दिल्ली में सरकार ने छात्रों की मांगों पर सकारात्मक पहल की और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने का निर्णय लिया। वहीं बिहार में छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां हुईं और हजारों छात्रों पर नामजद व अज्ञात एफआईआर दर्ज कर दी गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि पटना सहित कई जिलों में प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं पर पुलिस ने बल प्रयोग किया। साथ ही विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई। तेजस्वी ने कहा कि उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव सहित कई लोगों को गंभीर धाराओं में जेल भेजा गया, जो सरकार के तानाशाही रवैये को दर्शाता है। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार को एक दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि कल तक छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए गए, गिरफ्तार छात्रों और अन्य लोगों को रिहा नहीं किया गया तथा तेज प्रताप यादव को जेल से नहीं छोड़ा गया, तो राजद पूरे बिहार में व्यापक आंदोलन शुरू करेगा।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के भापसा नाला में मगरमच्छ ने किया महिला पर हमला

बीएनएम@ बगहा

» हमले में महिला गंभीर रूप से घायल, ग्रामीणों के शोर और हमले से बची जान

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के मदनपुर वन क्षेत्र अंतर्गत भपसा नाला में रविवार सुबह धान के खेत में सोहनी करने जा रही एक ग्रामीण महिला पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। सिरसिया क्षेत्र के गुलरिया सरेह की रहने वाली बासमती देवी जब नाला पार कर रही थीं, तभी पानी में छिपे मगरमच्छ ने उनके पैर को अपने जबड़े में दबोच लिया। महिला ने पानी में खींचे जाने से बचने के लिए तुरंत झाड़ियों को मजबूती से पकड़ लिया।महिला की चीख-पुकार सुनकर उनके पति जितेंद्र मांझी व अन्य ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए कुदाल और डंडों से मगरमच्छ पर हमला कर दिया, जिससे वह महिला का पैर छोड़कर गहरे पानी में भाग गया। गंभीर रूप से घायल महिला को डायल-112 की मदद से अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही इसी नाले में एक ग्रामीण को मगरमच्छ खींच ले गया था, जिसकी मौत हो चुकी है। लगातार हो रही इन घटनाओं से इलाके के ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है।

सरकारी स्कूलों में हेडमास्टरों को भीअब रोज लेनी होगी दो क्लास

शिक्षा विभाग का नया और सख्त आदेश

बीएनएम@ पटना

बिहार सरकार ने सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों (हेडमास्टर) के लिए नया और सख्त आदेश जारी किया है। नए निर्देश के अनुसार अब प्रत्येक प्रधानाध्यापक को प्रतिदिन कम से कम दो पीरियड पढ़ाना अनिवार्य होगा। केवल प्रशासनिक या कार्यालयी कार्यों का हवाला देकर कक्षा शिक्षण से बचने की अनुमति नहीं होगी। शिक्षा विभाग के आदेश के मुताबिक, सरकारी स्कूलों के हेडमास्टरों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा 20 मिनट तक कक्षा में पढ़ाना होगा। यह व्यवस्था प्राथमिक, मध्य और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में समान रूप से लागू होगी। विभाग का उद्देश्य स्कूलों में नियमित शिक्षण सुनिश्चित करना और छात्रों की पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार लाना है। विभाग का मानना है कि प्रधानाध्यापक केवल प्रशासनिक प्रमुख नहीं हैं, बल्कि उनकी शैक्षणिक भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसलिए अब उन्हें विद्यालय प्रबंधन के साथ-साथ नियमित रूप से विद्यार्थियों को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। उधर, उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए भी नए निर्देश जारी किए गए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रावधानों के अनुसार जिन कॉलेजों में किसी विषय के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं या उनकी संख्या पर्याप्त नहीं है, वहां संबंधित प्राचार्य को स्वयं प्रतिदिन कक्षाएं लेनी होंगी। इसका उद्देश्य शिक्षकों की कमी के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न होने देना है। शिक्षा विभाग के इस फैसले को सरकारी विद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि इन निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन से विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण मिलेगा और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। वहीं, आदेश के पालन की निगरानी भी विभागीय स्तर पर की जाएगी।

गयाजी में पेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग

कई दमकलों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

बीएनएम@ गयाजी

शहर के व्यस्त धामिटोला मोहल्ले में रविवार को उस समय भारी अफरातफरी मच गई, जब लोहानी पेंट हाउस के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। गोदाम में पेंट और अन्य ज्वलनशील रसायन बड़ी मात्रा में रखे होने के कारण आग ने चंद मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई दे रहा था, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। बिना देर किए दमकल विभाग को सूचना दी गई, जिसके बाद फायर स्टेशन से कई दमकल वाहन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। अग्निशमन कर्मियों ने साहसिक अभियान चलाते हुए घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। दमकल विभाग की मुस्तैदी से आग को आसपास की घनी इमारतों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। एहतियात के तौर पर आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।शुरुआती जानकारी के अनुसार यह दो मंजिला भवन में स्थित पेंट गोदाम मनोज कुमार लोहानी या उनके परिजनों का बताया जा रहा है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। आग लगने के वास्तविक कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन शॉर्ट सर्किट सहित अन्य संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। कोतवाली थाना अध्यक्ष ने बताया कि पुलिस और अग्निशमन विभाग संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं। घटना में हुए आर्थिक नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

प्रेमी के साथ पकड़ी गई विवाहिता, पति की सहमति से पंचायत ने कराई शादी

बीएनएम@ समस्तीपुर

» समस्तीपुर के सिंघिया खुर्द गांव का मामला
» प्रेमी पहले से शादीशुदा और दो बच्चों का पिता

जिले के कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंघिया खुर्द गांव में एक बेहद अनोखा मामला सामने आया है, जहां एएनएम कॉलेज के समीप एक विवाहिता अपने पुराने प्रेमी के साथ रात में पकड़े जाने के बाद चर्चा का विषय बन गई है। स्थिति को देखते हुए गांव में एक पंचायत बुलाई गई, जिसमें हैरान करने वाला फैसला लेते हुए पति की सहमति से विवाहिता का विवाह उसके पूर्व प्रेमी के साथ करा दिया गया।मिली जानकारी के अनुसार, खगड़िया निवासी अनुराधा कुमारी ने करीब डेढ़ वर्ष पूर्व सिंघिया खुर्द स्थित एक एएनएम कॉलेज में नामांकन कराया था। इस दौरान कॉलेज के कर्मी मनोहर कुमार से उसकी नजदीकियां बढ़ीं और लगभग छह माह पूर्व दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया था। इस अंतरजातीय विवाह के बाद अनुराधा के परिजनों ने उससे सभी रिश्ते तोड़ लिए थे। इसी बीच, अनुराधा का संपर्क उसके पुराने प्रेमी और ताजपुर थाना क्षेत्र के चक पहाड़ गांव निवासी पन्ना लाल यादव से दोबारा हो गया। पन्ना लाल पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे (12 वर्षीय बेटी व 9 वर्षीय बेटा) भी हैं।बताया गया कि शनिवार देर रात पन्ना लाल अनुराधा से मिलने उसके आवास पर पहुंचा था, तभी ग्रामीणों ने दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद बुलाई गई पंचायत में काफी विचार-विमर्श हुआ। पति मनोहर कुमार ने दोनों के पुराने संबंधों और आपसी परिस्थितियों को देखते हुए अपनी सहमति दे दी, जिसके बाद ग्रामीणों की मौजूदगी में अनुराधा की शादी पन्ना लाल यादव से करा दी गई। पन्ना लाल के अनुसार, उनकी पहचान 8-10 साल पुरानी है जब वह खगड़िया में एक विद्यालय में पढ़ाते थे। फिलहाल यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का केंद्र बनी हुई है, हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से किसी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि या कानूनी कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

वाल्मीकिनगरः गैरमजरुआ जमीन पर चल रहे सप्तश्रृंगार रिसॉर्ट पर कसेगा शिकंजा

लोक शिकायत पदाधिकारी के आदेश के बाद अतिक्रमण वाद शुरू करने का निर्देश

बीएनएम@ बगहा

वाल्मीकिनगर के पिपरा कुटी स्थित सप्तश्रृंगार हॉलिडे होम रिसॉर्ट से जुड़ा मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, बगहा द्वारा 23 जुलाई 2026 को जारी एक कड़े आदेश में रिसॉर्ट के सरकारी गैरमजरुआ मालिक जमीन पर चलने का स्पष्ट हवाला दिया गया है। इसके साथ ही अंचल अधिकारी, बगहा-2 को बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 के तहत तत्काल अतिक्रमण वाद शुरू करने का निर्देश दिया गया है।जांच के अनुसार यह रिसॉर्ट मौजा पिपरा स्थित खाता संख्या 25 और खेसरा संख्या 1 की गैरमजरुआ मालिक भूमि पर अवैध रूप से संचालित पाया गया। सुनवाई के दौरान संचालक जमीन पर अपना वैध स्वामित्व, जमाबंदी, भूमि परिवर्तन या व्यावसायिक संचालन से जुड़े जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहे। ऑनलाइन बुकिंग और प्रचार के आधार पर वहां रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट और स्विमिंग पूल जैसी व्यावसायिक गतिविधियां चलने की पुष्टि हुई है।लोक शिकायत पदाधिकारी ने रिसॉर्ट को तुरंत बंद कराने और संचालकों पर कानूनी कार्रवाई की अनुशंसा की है। साथ ही शिकायतकर्ता परिवार को सुरक्षा देने के लिए वाल्मीकिनगर थाने को निर्देश दिया गया है। इसके अतिरिक्त, तत्कालीन अंचल अधिकारी वसीम अकरम के विरुद्ध निलंबन व विभागीय जांच की भी अनुशंसा की गई है।दूसरी ओर, अंचल अधिकारी वसीम अकरम ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है और कर्मचारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने बरसात के कारण मापी में थोड़ी कठिनाई की बात कही, लेकिन स्पष्ट किया कि नियमों के तहत जल्द ही अन्य अतिक्रमणों के साथ निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

जीविका दीदियों के कथित दुरुपयोग का प्रशांत किशोर का आरोप

» प्रशांत ने चुनाव आयोग को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया

बीएनएम@ पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के माहौल के बीच जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने एनडीए और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पटना में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में 'जीविका दीदियों' का राजनीतिकइस्तेमाल करके मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि अगले 24 घंटे के भीतर इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे अपने समर्थकों के साथ चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगे।प्रशांत किशोर ने मुख्य रूप से आरोप लगाया कि जीविका तंत्र के माध्यम से आम मतदाताओं पर दबाव बनाया जा रहा है और लोगों को डराया जा रहा है कि यदि उन्होंने एनडीए के पक्ष में मतदान नहीं किया, तो उन्हें सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया जाएगा। उन्होंने इसे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की लोकतांत्रिक भावना के पूरी तरह विपरीत बताया। इसके साथ ही उन्होंने पटना के जिलाधिकारी और जिला प्रशासन की भूमिका पर भी तीखे सवाल उठाए। उनका कहना था कि जिला प्रशासन निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहा है और चुनावी प्रक्रिया में जीविका तंत्र के राजनीतिक उपयोग की खुली छूट दे रहा है।जन सुराज के नेता ने जानकारी दी कि इस गंभीर मामले को लेकर वे और उनकी पूरी टीम इससे पहले भी दो बार चुनाव आयोग के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज करा चुके हैं। अब वे एक बार फिर आयोग से कड़े हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। प्रशांत किशोर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि तय 24 घंटे के भीतर जीविका दीदियों को चुनावी गतिविधियों और दबाव की राजनीति से पूरी तरह अलग नहीं किया गया, तो वे चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर धरना शुरू करने के लिए बाध्य होंगे।

अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता

हैकर कुडनकुलम परमाणु संयंत्र का अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं/ आपूर्तिकर्ताओं की सूची को डार्क वेब पर डाल दिया गया है। डेटा चोरी की ताजा घटना ने भारत की साइबर सुरक्षा से संबंधित कमजोरियों को फिर उजागर किया है। न्यूक्लीयर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का दावा है कि लीक डेटा परमाणु सुरक्षा प्रणाली से संबंधित नहीं है। बहरहाल, इसे मान भी लिया जाए, तब भी इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि हैकर भारतीय परमाणु कार्यक्रम से संबंधित अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं की सूची को 'वर्ल्ड लीक्सÓ नामक रैनसमवेयर ने चुरा लिया। इस डेटा के संचालन का ठेका 2018 में अनिल अंबानी की कंपनी को दिया गया था। इसके पहले 'वर्ल्ड लीक्सÓ ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी से डेटा चुराकर उसे डार्क वेब पर डाल दिया था। बताया जाता है कि दोनों घटनाओं को मिलाकर लगभग 10 लाख से अधिक संवेदनशील फाइलें लीक हुई हैं। स्पष्टतः यह केवल दो निजी कंपनियों की सुरक्षा में चूक का मामला नहीं है। बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, भू-राजनीतिक साख, और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर सीधा प्रहार है। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र की मुख्य रिएक्टर प्रणाली भले सुरक्षित हो, लेकिन थर्ड पार्टी के सर्वर से संयंत्र की आंतरिक संवेदनशील संरचना का डार्क वेब पर पहुंच जाना दर्शाता है कि हमारी रणनीतिक सुरक्षा की कड़ियां कितनी कमजोर हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधित घटना भारतीय कॉरपोरेट जगत की आर्थिक और तकनीकी साख से संबंधित है। ये कंपनी एप्पल, टेस्ला, और क्वालकॉम जैसी वैश्विक कंपनियों के व्यावसायिक डेटा को संभालती है। इनका 630 जीबी डेटा डार्क वेब के जरिए अब उनकी प्रतिस्पर्धी कंपनियों को उपलब्ध है। जाहिर है, इससे भारत की विश्वसनीयता को गहरा धक्का लगा है। भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का खास डेटा अगर सुरक्षित नहीं है, तो विदेशी निवेश लाने और तकनीकी हस्तांतरण की भारत की कोशिशों का सफल होना संदिग्ध बना रहेगा। इन घटनाओं ने साइबर कानूनों का सख्त अनुपालन कराने की भारत की क्षमता को कठघरे में ला खड़ा किया है। अतः सरकार और उद्योग जगत को इसे महज 'डेटा ब्रीचÓ मानना बंद करना चाहिए। साइबर सुरक्षा के लिए अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता है।

देश के नागरिक अपने काम के लिए भगवान भरोसे

हरिशंकर व्यास

दुनिया के सभ्य व लोकतांत्रिक देशों की तर्ज पर भारत में भी हर सेक्टर के विनियमन के लिए संस्थाएं बनाई गई हैं। बैंकिंग से लेकर बीमा और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने से लेकर दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी करने वाली संस्थाएं हैं। विमानन सेक्टर को रेगुलेट करने वाली संस्था है तो शेयर बाजार की निगरानी करने वाली संस्था भी है। उच्च शिक्षा को विनियमित करने वाली संस्था है तो देश भर में परीक्षा का आयोजन करने वाली संस्था भी है। सड़क परिवहन से लेकर रेलवे के परिचालन तक की एजेंसियां बनी हैं। व्यापार में स्वतंत्र व निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए एजेंसी बनी है। उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए सिर्फ एजेंसी नहीं है, बल्कि अदालतें भी हैं।

आप नागरिक जीवन से जुड़े किसी भी कामके बारे में सोचें और फिर गूगलमें सर्च करें तो आपको उस काम से जुड़ी सरकारी एजेंसी का पता चल जाएगा। सवाल है कि जब इतनी नियामक संस्थाएं हैं तो नागरिक सेवाएं नियमित और बेहतर क्यों नहीं हैं? जब इतनी एजेंसियां जनता के पैसे से ही काम कर रही हैं तो फिर जनता उन्हीं सेवाओं को लेकर इतनी परेशान क्यों है? इसका एकमात्र जवाब है कि संस्थाओं की कोई जवाबदेही नहीं है। ऐसा लगता है कि सरकार और सारी सरकारी संस्थाओं व नियामक एजेंसियों के संचालन के लिए देश के नागरिक टैक्स तो भरते हैं लेकिन अपने काम के लिए भगवान भरोसे रहते हैं। यह अपवाद ही होता है कि किसी एजेंसी ने नागरिक की किसी समस्या का समाधान किया। जब ऐसा होता है तो उसकी खबर बनती है। अक्सर अखबारों में या इन दिनों तो सोशल मीडिया में खबर आती है कि किसी ट्रेन यात्री ने ट्रेन की बोगी में गंदगी होने या पानी नहीं होने की शिकायत सोशल मीडिया में की और रेल मंत्री को टैग किया तो तुरंत कार्रवाई हो गई। यह असल में पीआर एक्सरसाइज है। अगर सभ्य देश वाली व्यवस्था होती तो बोगी में गंदगी नहीं होती या पानी नहीं समाप्त हो गया होता। व्यवस्था ठीक तरीके से काम नहीं करती है तो उसके बारे में धारणा बनवाने के लिए ऐसी पीआर एक्सराइज की जाती है। अगर सरकारी नियामक एजेंसियों की बात करें तो एक के बाद एक सारी एजेंसियां समान रूप से अक्षम या विफल दिखाई देंगी। भारत में बीमा सेक्टर को विनियमित करने के लिए इरेडा यानी इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी का गठन किया गया है। लेकिन भारत में बीमा सेक्टर में जैसी गड़बड़ी है वैसी दुनिया के किसी देश में नहीं होगी। इरेडा को लगातार शिकायतें मिल रही हैं लेकिन वह कोई कार्रवाई नहीं करती है। इरेडा को पता है और उसकी रिपोर्ट में बताया गया है कि बीमा एजेंट मिससेलिंग कर रहे हैं यानी झूठ बोल कर लोगों को बीमा बेच रहे हैं परंतु वह कोई प्रभावी कार्रवाई नही कर पाती है। इरेडा के पास रिपोर्ट है कि निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियां 40 फीसदी तक क्लेम रिजेक्ट कर रही हैं या बीमा की रकम के मुकाबले बहुत कम भुगतान कर रही हैं। लेकिन वह कुछ नहीं कर रहा है या कर पा रहा है। जीवन बीमा में भी निजी कंपनियों का दावा भुगतान का रिकॉर्ड बहुत खराब है। निजी कंपनियों ने जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर एजेंट का कमीशन चार गुना बढ़ा दिया है, जिससे एजेंट मिससेलिंग ज्यादा करने लगे हैं और ग्राहकों का लाभ कम हुआ है। पर इरेडा को इसकी परवाह नहीं है। नागरिकों से ऊपर बीमा कंपनियों का हित है। ऐसे ही विमानन सेक्टर को विनियमित करने के लिए नागरिक विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए बना है। लेकिन विमानों का परिचालन विमानन मंत्रालय या डीजीसीए के हिसाब से नहीं होता है, बल्कि विमानन कंपनियों के हिसाब से होता है। भारत में विमानन कंपनियां मनमाना किराया तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। ईंधन की किल्लत हुई थी तब सरकार ने इसे नियंत्रित करने का प्रयास किया था। हालांकि तब भी कंपनियां अपने हिसाब से काम करती थीं। लेकिन अब तो पाबंदी भी हटा दी गई है। एक हजार किलोमीटर की यात्रा का किराया भारत में कंपनियां 50 हजार रुपए से ज्यादा तक वसूलती हैं। प्रयागराज में महाकुंभ के समय पांच सौ किलोमीटर की यात्रा के लिए भी 50 हजार रुपए से ज्यादा वसूले गए। विमानन कंपनियां मनमाना किराया वसूलती हैं और घटिया से घटिया सुविधा देती हैं। किराए की बात हो रही है तो बता दें कि सरकार ने विमानन कंपनियों से कहा था कि वे 60 फीसदी सीटें फ्री रखें और बिना पैसे के टिकट के साथ सीट बुक करें। लेकिन कंपनियों ने इसे मानने से इनकार कर दिया। बाद में सरकार को सरकुलर वापस लेना पड़ा। स्थिति यह है कि विमानन कंपनियां लगभग सारी सीटें अलग से बेचती हैं या टिकट के अलावा अलग से पैसे लेती हैं। अगर चार लोगों का परिवार यात्रा कर रहा है और सोचे कि बिना पैसे दिए सीट हासिल करें तो यह नामुमकिन होगा। अगर सीट मिल भी गई तो पूरा परिवार विमान में अलग अलग बैठा मिलेगा। विमान यात्री उनकी मर्जी के मोहताज होते हैं। एक घंटे तक की देरी को तो विमानन कंपनियां देरी भी नहीं मानती हैं और न इसके लिए खेद जताती हैं। भारत सरकार के एक मंत्री हैं शिवराज सिंह चौहान कुछ समय पहले एक विमान में टूटी कुर्सी पर बैठ कर आए थे। सोशल मीडिया में शिकायत भी की थी लेकिन हुआ कुछ नहीं। असल में पिछले 12 साल में एक एक करके विमानन कंपनियां बंद होती गईं और सरकार ने दो कंपनियों की मोनोपोली बन जाने दी। उसके बाद सरकार के हाथ में करने को कुछ नहीं रह गया है। भारत में खाने पानी की वस्तुओं की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए एफएसएसएआई यानी फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड ऑथोरिटी ऑफ इंडिया नाम की एक संस्था है। इसके कामकाज में गड़बड़ियों को लेकर सोशल मीडिया में कई सालों से अभियान चल रहा है। लेकिन कामकाज में सुधार की बजाय एजेंसी सोशल मीडिया हैंडल्स को कानूनी नोटिस भेजती रहती है। हकीकत यह है कि देश में खाने पीने की कोई भी चीज सुरक्षित नहीं है। पहले खुली या कच्ची चीजों में मिलावट की खबर आती है। लेकिन अब पैकेज्ड वस्तुओं की मिलावट ज्यादा चर्चा में है। शैंम्पू और यूरिया की मिलावट से दूध बन रहा है, बाजार में 50 फीसदी तक पनीर व खोया मिलावटी मिल रहा है, मसालों में गोबर की मिलावट पकड़ी जा रही है, फल व सब्जियों पर मात्रा से ज्यादा कीटनाशक की मात्रा मिल रही है, उनमें इंजेक्शन लगाने और रंग चढ़ा कर बेचने की खबरें भी बरसों से चल रही हैं।

नागरिकों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली चीजों की मिलावट खाने पीने की चीजों में हो रही है और लोगों की सेहत पर इसका असर भी दिख रहा है लेकिन इसे नियमित करने के लिए बनी संस्था की कोई जवाबदेही नहीं है। पैकेज्ड वस्तुओं की मात्रा का मामला अलग है। कंपनियां मनमाने तरीके से पैकेट के आकार घटाती हैं या उनमें वस्तुओं की मात्रा कम करती हैं। खाने पीने की एक्सपायर्ड वस्तुएं बाजार में धड़ल्ले से चल रही हैं। व्यवस्थित तरीके से यह काम होता है। बड़ी कंपनियों की एक्सपायर्ड हो चुकी वस्तुओं को लेबल बदल कर वापस बाजार में उतार दिया जा रहा है। एकाध मामले पकड़े जाते हैं बाकी वस्तुएं लोग खा पी रहे हैं। यही हाल भारत में ड्रग कंट्रोल ऑथोरिटी का है। देश में आए दिन नकली दवाएं पकड़ी जा रही हैं। कैंसर जैसी बीमारी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली नकली दवाएं बनती और बिकती हैं। दवा नकली हो या असली अनाप शनाप कीमत पर बिकती है। लेबल बदल कर सौ रुपए की दवा हजार, दो हजार रुपए में बेची जाती है। यह सिर्फ दवाओं के मामले में नहीं होता है। इस्तेमाल हो चुके सीरिंज और फंगस लगे सेलाइन वाटर मरीजों को चढ़ाए जाने की खबरें भी आए दिन आती हैं। मेडिकल उपकरणों के मामले में भी ऐसा ही होता है। लेकिन एटीट्यूड वही है कि सब चलता है। लोग भी कहते हैं कि इतना बड़ा देश है, इतनी बड़ी आबादी है तो कहां कहां नजर रखी जाएगी। एक देश, एक परीक्षा के नाम पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का गठन किया गया। लेकिन परीक्षा कराने का इस एजेंसी का रिकॉर्ड कैसा है यह किसी से छिपा नहीं है। इसी साल नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक हो गए और परीक्षा रद्द हो गई। सरकार ने सिर्फ दोबारा परीक्षा कराई। लेकिन किसी की जवाबदेही तय नहीं हुई है। सोचें, दो साल पहले 2024 में भी पेपर लीक हुए थे। इस साल फिर हो गए। उसके बाद महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा के पेपर लीक हुए। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक हुए। हर बार ऐसी घटना के बाद एकाध लोगों को तबादले हो जाते हैं और सब कुछ पहले जैसा चलता रहता है। कभी भी जवाबदेही तय करके शिक्षा व परीक्षा से जुड़ी बुनियादी समस्याओं को दूर करने का प्रयास नहीं किया जाता है।

जंतर-मंतर से संसद तकः युवा गुस्से की जीत

प्रो. पूर्णेंदु रंजन

25 जुलाई 2026 को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक विकास हुआ। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा जंतर-मंतर पर पिछले एक महीने से चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के छात्र आंदोलन के दबाव का सीधा नतीजा था। युवाओं ने जो मांग रखी थी, वह लगभग पूरी तरह स्वीकार कर ली गई। प्रदर्शन समाप्त कर दिए गए। यह घटना स्वतंत्र भारत के छात्र आंदोलनों के इतिहास में एक उल्लेखनीय सफलता के रूप में दर्ज होगी। सीजेपी आंदोलन की शुरुआत साधारण नहीं थी। इसे अमेरिका में रह रहे इंडो-अमेरिकन अभिजीत दीपके ने शुरू किया। बेरोजगार युवाओं को 'कॉकरोच' कहे जाने वाले बयान को उन्होंने व्यंग्य के रूप में अपनाया और सोशल मीडिया के जरिए एक नई भाषा दी। यह डिजिटल व्यंग्य और सड़क धरने का मिश्रण था। पारंपरिक छात्र संगठनों से अलग, यह शुरू में गैर-दलीय और आकांक्षा केंद्रित था। एनईईटी-यूजी 2026 के पेपर लीक ने इसे आग लगाई। परीक्षा की अनियमितताओं, छात्र आत्महत्याओं और व्यापक बेरोजगारी ने इसे राष्ट्रीय आंदोलन बना दिया। हालांकि, इस आंदोलन को व्यापक और टिकाऊ बनाने में पारंपरिक छात्र संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) समेत कई छात्र मोर्चों ने सीजेपी के साथ सक्रिय समर्थन दिया। इन संगठनों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों और शहरों में प्रदर्शन, रैलियां और बंद के आह्वान किए। उनकी संगठनात्मक ताकत ने आंदोलन को सिर्फ जंतर-मंतर तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि पूरे देश में फैलाया। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने भी लगातार दबाव बनाए रखा। संसद में विपक्षी सदस्यों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सत्र बाधित किया। कई नेता जंतर-मंतर पहुंचे। सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब प्रदर्शनकारियों और सांसदों ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान धक्का-मुक्की हुई, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए। राहुल गांधी सहित कई नेताओं को पुलिस ने हटाया और हिरासत में लिया। इन घटनाओं ने आंदोलन को और तीखा बना दिया तथा सरकार पर दबाव और बढ़ा दिया। लंबे समय तक चुप्पी साधे रखने वाली मोदी सरकार को अंततः जवाब देना पड़ा। छात्र संगठनों और विपक्षी दलों के संयुक्त दबाव ने आंदोलन को एक साधारण धरने से कहीं आगे बढ़ा दिया। स्वतंत्र भारत में छात्र आंदोलन अक्सर गुस्से और उम्मीद का मिश्रण रहे हैं। 1970 के दशक का जेपी आंदोलन आपातकाल के खिलाफ था और उसने लोकतंत्र की बहाली में भूमिका निभाई। 2011 का अन्ना हजारे का भारत भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन मध्यम वर्ग को सड़कों पर लाया और राजनीतिक परिदृश्य बदलने में सफल रहा। मंडल आंदोलन ने सामाजिक न्याय की दिशा बदली। इन आंदोलनों की तुलना में सीजेपी की सफलता ज्यादा तेज और ठोस दिखती है। प्रधान का इस्तीफा एक स्पष्ट और त्वरित नतीजा है। दुनिया भर में परीक्षा लीक की घटनाएं बार-बार होती रही हैं। चीन, मिस्र, बांग्लादेश और अमेरिका में भी ऐसे घोटाले सामने आए। लेकिन भारत में पैमाना बहुत बड़ा था। करोड़ों छात्रों के भविष्य पर असर पड़ा। सीजेपी ने इन लीक को युवा बेरोजगारी से जोड़कर देखा। 15-25 साल के ग्रेजुएट्स में लगभग 40 प्रतिशत को उपयुक्त नौकरी नहीं मिल पाती। यही वजह थी कि आंदोलन सिर्फ परीक्षा सुधार तक सीमित नहीं रहा। वैश्विक तुलना भी दिलचस्प है। बांग्लादेश के 2024 के छात्र आंदोलन ने कोटा व्यवस्था के खिलाफ शुरू होकर सरकार बदल दी। चिली के 2011 छात्र आंदोलन ने शिक्षा सुधारों को मजबूर किया। हांगकांग के 2019 आंदोलन में युवाओं ने डिजिटल रणनीति अपनाई। सीजेपी ने इन सबकी कुछ खूबियों को अपनाया — व्यंग्य, सोशल मीडिया और निरंतर दबाव। लेकिन भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में यह दबाव ज्यादा प्रभावी साबित हुआ। अब सवाल यह है कि आगे क्या? प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रह्लाद जोशी को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सरकार ने कुछ मांगें स्वीकार की हैं, मुआवजा, मामलों की वापसी और सुधारों का वादा। लेकिन असली परीक्षा अभी बाकी है। क्या परीक्षा प्रणाली में स्थायी बदलाव आएंगे? क्या कोचिंग संस्कृति और नौकरी के संकट पर ध्यान दिया जाएगा? इतिहास बताता है कि छात्र आंदोलन अक्सर त्वरित सफलता पाते हैं, लेकिन दीर्घकालिक सुधारों के लिए निरंतर दबाव जरूरी होता है। यह जीत युवा भारत की ताकत को रेखांकित करती है। जब आकांक्षाएं टूटती हैं, तो गुस्सा संगठित हो जाता है। सीजेपी ने दिखाया कि डिजिटल युग में भी सड़क और सोशल मीडिया का संयोजन प्रभावी हो सकता है। साथ ही, पारंपरिक छात्र संगठनों और विपक्षी दलों के सक्रिय सहयोग ने इसे और मजबूत बनाया। यह आंदोलन सिर्फ एक मंत्री के इस्तीफे की कहानी नहीं है। यह शासन की जवाबदेही, मेरिट की रक्षा और युवाओं के सपनों की रक्षा की कहानी है। आने वाले समय में देखना होगा कि यह सफलता कितनी गहरी जाती है। क्या यह शिक्षा व्यवस्था में सुधार का शुरुआती बिंदु बनेगा, या फिर एक और अध्याय बनकर रह जाएगा। फिलहाल, जंतर-मंतर पर लड़ी गई लड़ाई ने एक बात साफ कर दी है, युवा भारत अब चुप नहीं बैठने वाला।

संकट बनती निर्माणाधीन सुरंगें

प्रमोद भार्गव

मानव जीवन के लिए प्रकृति को छलनी कर किया जा रहा आधुनिक विकास, जहां जरूरी है, वहीं संकट का सबब भी बन रहा है।सिक्किम के नामची जिले में समरडुंग-झोलुंगे में नामची जल विद्युत सुरंग परियोजना (तीस्ता नदी चरण-5) की निर्माणाधीन सुरंग में तेज बारिश, भूस्खलन और जहरीली गैस मीथेन के रिसाव चलते बड़ी दुर्घटना घटी है। इसमें 20 मजदूरों की मौत हो गई। कुल 25 मजदूर घटना के समय सुरंग में काम कर रहे थे। 500 मेगावाट की इस परियोजना में विस्फोट के कारण मिथेन का रिसाव हुआ बताया जा रहा है। रिसाव के चलते राष्ट्रीय और राज्य आपदा राहत दलों को बचाव कार्य में कठिनाई आ रही है। सुरंग के भीतर ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम रह गया था। इस कारण कई बेहोश हो गए थे। फंसे लोगों को निकालने के लिए हरसंभव प्रयास हो रहे हैं। सुरंगों के लिए किए जाने वाले भीषण विस्फोटों को भूस्खलन एक बड़ा कारण माना जा रहा है। नामची जिले में जल विद्युत ऊर्जा निगम तीस्ता छह परियोजनाओं के लिए सुरंगें बनाई जा रही हैं। समूचे हिमालय में घट रही ऐसी घटनाएं पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े कर रही हैं। इस सुरंग के अलावा सिक्किम के ऊंचाई वाले नगरों व ग्रामों तक पहुँच आसान बनाने के लिए अनेक सुरंगें निर्माणाधीन हैं। इनमें 578 मीटर लंबी एक सुरंग मंगन जिले की सीमा में गंगटोक-चुंगथांग राजमार्ग पर बन रही है। दूसरी प्रमुख सुरंग सिवोक-रंगपो है। इसे पाक्योंग जिले में भारत-तिब्बत तक बनाया जा रहा है। यह सुरंग सीमा तक सैनिकों की आवाजाही को आसान बनाएगी। मालूम हो, बीते साल फ़रवरी 2025 में तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले के डोमलपेंटा गांव में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में फंसे आठ लोगों का जीवन बचाने में अनेक मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा था। 42 किमी लंबी यह सुरंग बनने के बाद दुनिया की सबसे लंबी पानी की सुरंग कहलाएगी। 2023 में उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा भूमि में धंस जाने के कारण 40 मजदूर फंस गए थे। उनके प्राण पिछले कुछ दिनों से संकट में जरूर हैं, लेकिन उन्हें बचा लिया गया था। यह हादसा उत्तरकाशी से 55 किमी दूर निर्माणाधीन सिल्क्यारा-पोलगांव सुरंग के भीतर हुआ था। यह हादसा भू-स्खलन के कारण सुरंग का 15 मीटर हिस्सा जमीन में धंस जाने के कारण घटित हुआ था। बरसात के मौसम में सुरगें मलबे और पानी से भर जाती हैं। फंसे लोगों को बचाने के लिए रैट माइनर्स अर्थात चूहों की तरह खदान खोदने वाले विशेषज्ञ खनिक इस काम को अंजाम तक पहुंचा पाते हैं। यही सिक्किम के लोगों को बचने के काम में जुटे हैं। बचाव दल रोबोटिक कैमरों की मदद से लोगों तक बमुशिकल पहुँच पता है। ये थर्मल फिशिंग नौका से सुरंग के अंदर पहुंचते हैं। वर्तमान में देशभर के पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अनदेखी करके सड़कों, रेल लाइन, नहरों के पानी की निकासी, नदी जोड़ों और जल विद्युत परियोजनाओं के लिए हिमालय के शिखरों से लेकर मध्य और दक्षिण भारत के अनेक पहाड़ो को खोदा जा रहा है। इन कठिन कार्यों को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए अनेक दुर्घटनाओं का सामना भी करना पड़ रहा है। समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के परिप्रेक्ष्य में जल विद्युत संयंत्र और रेल परियोजनाओं की बाढ़ आई हुई है। इन योजनाओं के लिए हिमालय क्षेत्र में रेल गुजारने और कई हिमालयी छोटी नदियों को बड़ी नदियों में डालने के लिए सुरंगें निर्मित की जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं के लिए जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है।

इस आधुनिक औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय ही नहीं, हिमालय के शिखर दरकने लगे हैं, जिन पर हजारों साल से मानव बसाहटें अपने ज्ञान-परंपरा के बूते जीवन-यापन करने के साथ हिमालय और वहां रहने वाले अन्य जीव-जगत की भी रक्षा करते चले आ रहे हैं। हिमालय और पृथ्वी सुरक्षित बने रहें, इस दृष्टि से कृतज्ञ मनुष्य ने अथर्ववेद में लिखे पृथ्वी-सूक्त में अनेक प्रार्थनाएं की हैं। यह सूक्त में राष्ट्रीय अवधारणा एवं वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को विकसित, पोषित एवं फलित करने के लिए मनुष्य को नीति और धर्म से बांधने की कोशिश की हैं। लेकिन हमने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट करने का काम आधुनिक विकास के बहाने कर दिया। जोशीमठ इसी अनियोजित विकास की परिणति है। उत्तराखंड के चमोली जिले में आने वाले जोशीमठ शहर ने कई अप्रिय कारणों से नीति-नियंताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा जारी उपग्रह तस्वीरों से जोशीमठ के हिमालय के गर्भ में घंस जाने की चिंता जताई है। सिमटती धरती की इन प्रामाणिक सच्चाइयों को छिपाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखंड सरकार ने अंतरिक्ष एजेंसी समेत कई सरकारी संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे मीडिया के साथ जानकारी साझा न करे। उत्तराखंड में गंगा और उसकी सहयोगी नदियों पर एक लाख तीस हजार करोड़ की जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इनमें से कई पूरी भी हो गई हैं। इन संयंत्रों की स्थापना के लिए लाखों पेड़ों को काटने के बाद पहाड़ों को निर्ममता से छलनी किया जा रहा है और नदियों पर बांध निर्माण के लिए बुनियाद हेतु गहरे गड्ढे खोदकर खंबे व दीवारें खड़े किए जाते हैं। कई जगह सुरंगे बनाकर पानी की धार को संयंत्र के पंखों पर डालने के उपाय किए गए हैं। इन गड्ढों और सुरंगों की खुदाई में ड्रिल मशीनों से जो कंपन होता है, वह पहाड़ की परतों की दरारों को खाली कर देता है और पेड़ों की जड़ों से जो पहाड़ गुंथे होते हैं, उनकी पकड़ भी इस कंपन से ढीली पड़ जाती है। नतीजतन तेज बारिश के चलते पहाड़ों के ढहने और हिमखंडो के टूटने की घटनाएं पूरे हिमालय क्षेत्र में लगातार बढ़ जाती हैं। यही नहीं कठोर पत्थरों को तोड़ने के लिए भीषण विस्फोट भी किए जाकर हिमालय को हिलाया जा रहा है।

हिमालय में अनेक रेल परियोजनाएं भी निर्माणाधीन है। सबसे बड़ी रेल परियोजना उत्तराखंड के चार जिलों (टेहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली) के तीस से ज्यादा गांवों को भी विकास की कीमत चुकानी पड़ रही है। छह हजार परिवार विस्थापन के दायरे में आ गए हैं। रुद्रप्रयाग जिले के मरोड़ा गांव के सभी घर दरक गए है। रेल विभाग ने इनके विस्थापन की तैयारी कर ली है। यह तो शुरुआत है, लेकिन ये विकास इसी तरह जारी रहते हैं तो बर्बादी का नक्शा बहुत विस्तृत होगा। दरअसल ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेल परियोजना 125 किमी लेगी है। इसके लिए सबसे लंबी सुरंग देवप्रयाग से जनासू तक बनाई जा रही है, जो 14.8 किमी लंबी है। केवल इसी सुरंग का निर्माण बोरिंग मशीन से किया जा रहा है। बांकी जो 15 सुरंगें बन रही हैं, उनमें ड्रिल तकनीक से बारूद लगाकर विस्फोट किए जा रहे हैं। इस परियोजना का दूसरा चरण कर्णप्रयाग से जोशीमठ के बजाय अब पीपलकोटी तक होगा। भू-गर्भीय सर्वेक्षण के बाद रेल विकास निगम ने जोशीमठ क्षेत्र की भौगोलिक संरचना को परियोजना के अनुकूल नहीं पाया था। इसलिए अब इस परियोजना का अंतिम पड़ाव पीपलकोटी कर दिया है,जो एक अच्छी पहल है। हिमालय की ठोस व कठोर अंदरूनी सतहों में ये विस्फोट दरारें पैदा करके पेड़ों की जड़े हिला रहे हैं। हिमालय की अलकनंदा नदी घाटी ज्यादा संवेदनशील है। रेल परियोजनाएं इसी नदी से सटे पहाड़ों के नीचे और ऊपर निर्माणाधीन हैं।

हिमालय में हाल ही में केन-बेतवा नदी जोड़ों अभियान की तर्ज पर उत्तराखंड में देश की पहली ऐसी परियोजना पर काम शुरू हो गया है, जिसमें हिमनद (ग्लेशियर) की एक धारा को मोड़कर बरसाती नदी में पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। यदि यह परियोजना सफल हो जाती है तो पहली बार ऐसा होगा कि किसी बरसाती नदी में सीधे हिमालय का बर्फीला पानी बहेगा। हिमालय की अधिकतम ऊंचाई पर नदी जोड़ने की इस महापरियोजना का सर्वेक्षण शुरू हो गया है।

मेष राशि : आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भरपूर प्रयास करेंगे। आज आप मजबूती के साथ एक नई शुरुआत करेंगे। यह समय अपने व्यवहार और पिछले दिनों में की गई गलतियों में सुधार लाने का है। बिजनेस में नए ऑर्डर और एग्रीमेंट मिलने की प्रबल संभावना है। आज आय के स्रोतों में वृद्धि होने की उम्मीद है।

वृष राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज अचानक ही महत्वपूर्ण काम के पूरे हो जाने से आपको बहुत प्रसन्नता होगी। आज आपका अधिकतम समय धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में बीतेगा। घर के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से रिश्ते में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी। किसी निवेश में फंसा हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है।

मिथुन राशि : आज आपका दिन ताजगी भरा रहेगा। आज कारोबार में छोटी-छोटी बारीकियां समझना जरूरी है किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा। आज आपकी खास इच्छा पूरी होने की उम्मीद है। ऑफिस में उच्च अधिकारियों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इजाफ़ा करेगा। व्यापार में रोज की अपेक्षा अधिक मुनाफा होने की उम्मीद है। आप किसी काम के लिए नई योजना पर विचार भी कर सकते हैं। संतान संबंधी महत्वपूर्ण कार्य आज संपन्न हो जाएगा।

कर्क राशि : आज आपका दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज के दिन यदि धैर्य और समझदारी से कार्य करेंगे तो आपको सफलता मिलनी तय है। घर के रखरखाव अथवा नवीनीकरण संबंधी योजना बना सकते हैं। आज आपको पुराने दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिल सकता है। जमीन जायदाद खरीदने के सिलसिले में आज आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए लकी साबित होने वाला है। आज आप घर पर ही धार्मिक अनुष्ठान करवाने की योजना बनायेंगे। भविष्य को लेकर बनाई कार्य योजनाएं आज कारगर साबित होंगी। आज संतान को सफलता मिलने से घर में खुशियां बढ़ेगी। आज आप कुछ अनुभवी लोगों के साथ मिलकर किसी सामाजिक कार्य की रूपरेखा बना सकते हैं।

कन्या राशि : आज आपका दिन आपके लिए यादगार साबित होगा। प्रतियोगी छात्रों के लिए किसी परीक्षा का मोस्ट अवेटेड रिजल्ट उनके पक्ष में आएगा। आज उनका चयन प्रशासनिक क्षेत्र में हो जाने से घर में उत्सव जैसा माहौल होगा। आज घर पर मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिससे लोगों का आना जाना लगा रहेगा। आज आप कम्प्यूटर कोर्स सीखने का मन बनायेंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। आज हर रोज की गतिविधियों और व्यस्तता से राहत पाने के लिए कुछ समय अपने लिए भी जरूर निकालें। आप अपनी पारिवारिक व व्यावसायिक जिम्मेदारियों को आज बखूबी निभाएंगे। स्टूडेंट्स को आज टीचर द्वारा विशेष मार्गदर्शन मिलेगा। आज आपके मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। मीडिया और ऑनलाइन माध्यम से आपको बिजनेस से रिलेटेड जानकारी मिलती रहेगी। पैतृक संपत्ति से लाभान्वित हो सकते हैं। लंबे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए बदलाव भी कर सकते हैं।

धनु राशि : आज आपका दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आपकी कार्य योजनाओं को आज सकारात्

‘मन की बात’ में प्रधानमंत्री ने पीवी सिंधु और महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक उपलब्धियों को सराहा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ‘मन की बात’ कार्यक्रम में भारत की हालिया खेल उपलब्धियों की सराहना करते हुए बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु की जापान ओपन में ऐतिहासिक जीत और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की लॉर्ड्स में दर्ज ऐतिहासिक टेस्ट विजय को देश के लिए गर्व का क्षण बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने ‘मन की बात’ कार्यक्रम के 136वें एपिसोड में कहा कि हमारे युवाओं ने हाल के दिनों में खेलों में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पीवी सिंधु बैडमिंटन में जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। पूरा देश उनकी इस उपलब्धि पर गर्व करता है। सिंधु ने बीते दिनों बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर-750 के महिला एकल फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इसके साथ ही वह जापान ओपन खिताब जीतने वाली पहली भारतीय शटलर भी बन गई। उन्होंने अपने करियर का पहला सुपर-750 खिताब जीता। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक उपलब्धि का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में टेस्ट मैच जीता है। यह एक ऐतिहासिक जीत है। हमारी टीम ने 270 रन के बड़े अंतर से यह मुकाबला जीता है लेकिन बात सिर्फ इतनी ही नहीं है। लॉर्ड्स के लंबे इतिहास में यह महिलाओं का पहला टेस्ट मैच था। 1983 में इसी मैदान पर भारत ने अपना पहला क्रिकेट विश्वकप जीता था। अब हमारी नारी शक्ति ने भी यहां देश का नाम रोशन किया है। भारत ने इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स में खेले गए एकमात्र महिला टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 270 रनों से हराकर इतिहास रचा था। भारतीय टीम ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों विभागों में शानदार प्रदर्शन किया था।

भारतीय सब-जूनियर पुरूष एवं महिला टीमों के प्रदर्शन को कोच सरदार सिंह और रानी रामपाल ने सराहा

एजेंसी, नई दिल्ली

कोच सरदार सिंह और रानी रामपाल ने पहली यूथ हॉकी 5एस एशियन चैंपियनशिप-2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए युवा खिलाड़ियों के जज्बे, अनुशासन और निडर खेल की प्रशंसा की। पुरुष टीम ने स्वर्ण पदक और महिला टीम ने रजत पदक जीतने के साथ ही पहली एफआईएच यूथ हॉकी 5एस विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। सरदार सिंह की कोचिंग वाली भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम का सफर टूर्नामेंट में शानदार रहा और उन्होंने खिताब जीतने के रास्ते में अपने सभी सात मैच जीते। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ (7-3) बड़ी जीत के साथ शुरुआत की और फिर मेजबान ओमान के खिलाफ (14-0) भी दबदबे वाली जीत हासिल की। इसके बाद पाकिस्तान को दो बार (7-4 और 7-3 से) हराया और फिर रोमांचक फाइनल में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी को 3-1 से हराकर पहली बार आयोजित हुई चैंपियनशिप की ट्रॉफी अपने नाम की। पुरुष टीम की जीत पर कोच सरदार सिंह ने एक बयान में कहा कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान हर खिलाड़ी ने जो जज्बा और प्रतिबद्धता दिखाई है, उस पर मुझे बहुत गर्व है। पाकिस्तान के खिलाफ तीन जीत समेत अपने सभी मैच जीतना, लड़कों की पिछले कुछ महीनों की कड़ी मेहनत को दिखाता है। यह स्वर्ण पदक और विश्व कप के लिए क्वालिफिकेशन उनकी मेहनत का सही नतीजा है और इससे इन युवाओं को भविष्य के लिए बहुत आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं हॉकी इंडिया का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि उन्होंने हमारे युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के हर मौके देकर उनके विकास में लगातार निवेश और सहयोग किया है। कोच रानी की देखरेख में भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान हासिल किया। टीम ने कजाकिस्तान (8-3 और 10-0) और उज्बेकिस्तान (16-0 और 10-0) के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की।

देहरादून टी-20 लीग के लिए खिलाड़ी ट्रायल संपन्न, 650 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन (सीएयू) द्वारा अनुमोदित देहरादून टी-20 लीग 2026 के आधिकारिक खिलाड़ी चयन ट्रायल का आयोजन देहरादून के नथुवावाला स्थित कीमतीलाल शर्मा क्रिकेट ग्राउंड में संपन्न हुआ। लीग के लिए कुल 650 खिलाड़ियों ने प्लेयर ड्राफ्ट के लिए अपना पंजीकरण कराया, जिनमें से 350 से अधिक खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। देहरादून टी-20 लीग 2026 का आयोजन 2 से 9 सितंबर तक देहरादून के अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी में किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 18 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 15 लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल होंगे।

शनिवार को लीग के लिए खिलाड़ियों का मूल्यांकन चयन समिति के सदस्य धीरनराज शर्मा एवं शिवम खिराना द्वारा किया गया। ट्रायल के आधार पर चयनित खिलाड़ियों को आगामी आधिकारिक प्लेयर ड्राफ्ट में शामिल किया जाएगा, जहाँ लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमें अपने-अपने खिलाड़ियों का चयन करेंगी। सीएयू के मुख्य संरक्षक पी.सी. वर्मा ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग युवा क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं उत्तराखंड में क्रिकेट की मजबूत नींव तैयार करने के साथ-साथ खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की पीटी उषा ने की सराहना, कहा- भारत जीतेगा कई पदक

एजेंसी, ग्लासगो । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की सराहना करते हुए कहा कि आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया और प्रतियोगिता की शानदार शुरुआत सुनिश्चित की। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय दल इस बार विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अच्छी संख्या में पदक जीतेगा। पीटी उषा ने कहा कि उद्घाटन समारोह का आयोजन बेहद प्रभावशाली रहा और खिलाड़ियों को जिस सम्मान के साथ मंच प्रदान किया गया, वह सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार अनुभव रहा। उन्होंने ग्लासगो आयोजन समिति की तैयारियों और मेहमाननवाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। आईओए अध्यक्ष ने भारतीय दल की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं, जो विभिन्न स्पर्धाओं में देश के लिए पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत की है और उन्हें विश्वास है कि भारत का प्रदर्शन प्रभावशाली रहेगा। पीटी उषा ने भारत के लिए प्रतियोगिता का पहला पदक जीतने वाले पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार को भी बधाई दी।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में होटल व्यवस्था से संतुष्ट दिखे भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में इस बार पारंपरिक एथलीट्स विलेज की जगह खिलाड़ियों को तीन अलग-अलग होटलों में ठहराया गया है। भारतीय खिलाड़ियों ने इस नई व्यवस्था को सकारात्मक बताते हुए कहा है कि इससे उन्हें बेहतर सुविधाएं, कम यात्रा समय और प्रतियोगिता की तैयारी के लिए अधिक समय मिल रहा है, जबकि टीम भावना और आपसी तालमेल भी पूरी तरह बरकरार है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने रविवार को एक बयान में कहा कि भारतीय दल ने इस नए मॉडल को तेजी से अपनाया है। भारतीय दल के खिलाड़ी मानते हैं कि तीन अलग-अलग होटलों में ठहरने के बावजूद आपसी मेलजोल और टीम भावना पर कोई असर नहीं पड़ा है। सभी होटल एक ही क्षेत्र में स्थित होने के कारण खिलाड़ी नियमित रूप से एक-दूसरे से मिलते रहते हैं, जिससे बहु-खेल प्रतियोगिताओं वाला माहौल बरकरार है। असम की लॉन बॉल्स खिलाड़ी पुतुल सोनोवाल ने कहा कि यह व्यवस्था उम्मीद से कहीं बेहतर साबित हुई है। उनके अनुसार, प्रतियोगिता स्थलों तक पहुंचने में बहुत कम समय लगता है, जिससे समय की बचत होती है और यह भविष्य के खेलों के लिए भी एक अच्छा मॉडल बन सकता है। डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर ने कहा कि होटल में ठहरना शुरुआत में अलग अनुभव था, लेकिन पूरी व्यवस्था बेहद सुव्यवस्थित है। प्रतियोगिता स्थल नजदीक हैं, भोजन की गुणवत्ता अच्छी है और इससे खिलाड़ी पूरी तरह अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एक सप्ताह में 10 हजार रुपये तक महंगी हो गई चांदी

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 610 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज शुरुआती कारोबार के दौरान 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती नजर आ रही है। भाव में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो लगातार उठापटक होने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में उछाल आया है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई। चांदी भी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। इस तेजी के कारण चांदी का भाव सप्ताहिक आधार पर 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना

डीआरआई ने 27 किलो से ज्यादा तस्करी का सोना किया जब्त, 12 लोग गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए राष्ट्रव्यापी अभियानों में 27 किलोग्राम तस्करी का सोना जब्त किया और 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि डीआरआई ने संगठित सोने की तस्करी करने वाले गिरोहों पर अपनी निरंतर कार्रवाई जारी रखते हुए देशभर में खुफिया जानकारी पर आधारित कई अभियान चलाए हैं। इसके परिणामस्वरूप 27 किलोग्राम से अधिक विदेशी मूल का तस्करी सोना जब्त किया गया, जबकि 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मंत्रालय ने कहा कि इन अभियानों में सोने को छिपाने के परिष्कृत तरीकों का खुलासा हुआ, जिनमें विमान के शौचालयों के अंदर, वाहनों और बर्तनों में विशेष रूप से निर्मित गुप्त गुहाओं और शरीर के भीतर छुपाने के तरीके भी शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मुंबई स्थित डीआरआई अधिकारियों ने 23-24 जुलाई को 12 किलोग्राम वजन के 6 विदेशी मूल की सोने की ईंटें बरामद कीं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक डीआरआई के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश में ब्रह्मपुत्र मेल में यात्रा कर रही महिला से 5 किलोग्राम वजन की 42 विदेशी मूल की सोने की ईंटें बरामद कीं।

इसके साथ 22-23 जुलाई को मुंबई हवाई अड्डे पर 3.7 किलोग्राम सोने की धूल जब्त की गई और वाहक, सफाई कर्मचारी, हैंडलर और प्राप्तकर्ता सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 19-20 जुलाई डीआरआई के अधिकारियों ने कोलकाता रेलवे स्टेशन पर एक यात्री को रोका और विशेष रूप से निर्मित बर्तनों के अंदर चतुराई से छिपाए गए 4.6 किलोग्राम विदेशी मूल के सोने को बरामद किया। जांच में पता चला कि तस्करी का यह सोना म्यांमार के रास्ते भारत में तस्करी करके लाया गया था। सोना जब्त कर लिया गया और यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह डीआरआई ने कुल देशव्यापी अभियानों में 27 किलोग्राम तस्करी का सोना जब्त किया और 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह को निर्यात-आयात के लिए मिली मंजूरी, 18 अगस्त से शुरू होगा परिचालन

एजेंसी, नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम

केरल स्थित विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह को विदेशों के साथ सामान का आयात और निर्यात शुरू करने के लिए सीमा शुल्क विभाग की मंजूरी मिल गई है। विझिंजम इंटरनेशनल सी-पोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने इसको शुरू करने की मंजूरी दे दी है। बंदरगाह को 18 अगस्त से निर्यात और आयात कार्गो परिचालन शुरू करने की अंतिम मंजूरी दी गई है। सीबीआईसी के 24 जुलाई को जारी आदेश के मुताबिक तिरुवनंतपुरम के पास स्थित विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह अब तक केवल अंतरराष्ट्रीय पारवहन केंद्र के रूप में कार्य कर रहा था, लेकिन 18 अगस्त 2026 से यहां माल के निर्यात और आयात का परिचालन भी शुरू हो जाएगा। वीआईएसएल के मुताबिक वर्तमान में बंदरगाह से संबद्ध कोई निर्धारित कंटेनर फ्रेट स्टेशन (सीएफएस) नहीं होने के कारण सीबीआईसी ने निर्यात और आयात कार्गो के प्रबंधन के लिए कई शर्तें निर्धारित की हैं। कंटेनर फ्रेट स्टेशन बंदरगाह के पास स्थित एक ऐसा केंद्र होता है, जहां आयात और निर्यात होने वाले कंटेनरों में रखे सामान की जांच, पैकिंग, खोलने, दोबारा भरने और सीमा शुल्क से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी की जाती हैं। इसके तहत आयात परिचालन केवल प्रत्यक्ष बंदरगाह आपूर्ति के लिए पात्र पूर्ण कंटेनर भार वाले कंटेनरों तक सीमित रहेगा। ऐसे कंटेनरों को बंदरगाह पर पहुंचने के 48 घंटे के भीतर सीधे आयातक के परिसर तक पहुंचाना होगा। विझिंजम इंटरनेशनल पोर्ट भारत का पहला गहरे पानी का ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह है, जो केरल के तिरुवनंतपुरम में स्थित है। इसे 2 मई 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था। यह अंतरराष्ट्रीय पूर्व-पश्चिम शिपिंग रूट से केवल 10 समुद्री मील की दूरी पर है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों को नकली ‘एयर सुविधा 2.0’ वेबसाइटों को लेकर दी चेतावनी

एजेंसी, नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को फर्जी ‘एयर सुविधा 2.0’ पोर्टलों से सतर्क रहने की चेतावनी दी है, जो उन यात्रियों को पेमेंट गेटवे पर भेजकर ठगी कर रहे हैं। मंत्रालय ने ये स्पष्ट किया है कि स्व-घोषणा फॉर्म भरना पूरी तरह निःशुल्क है। ऐसे में आधिकारिक पोर्टल ‘एयर सुविधा 2.0’ का ही उपयोग करें। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यात्रियों को नकली ‘एयर सुविधा 2.0’ वेबसाइटों से सावधान रहने की चेतावनी दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि उन फर्जी वेबसाइटों और पोर्टल्स के बारे में ये चेतावनी जारी की गई, जो खुद को आधिकारिक ‘एयर सुविधा 2.0’ प्लेटफॉर्म बताते हैं और यूजर्स को पेमेंट गेटवे पर भेजते हैं। मंत्रालय ने बताया कि ‘एयर सुविधा 2.0’ की सेवाएं मुफ्त हैं और यात्रियों को ‘सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म’ (स्व-घोषणा पत्र) जमा करने के लिए कोई भी शुल्क नहीं देना होता है। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि संज्ञान में आया है कि कुछ फर्जी वेबसाइटें और पोर्टल एयर सुविधा 2.0 होने का ढोंग कर रहे हैं और यात्रियों को भुगतान गेटवे पर पुनर्निर्देशित करके उन्हें गुमराह कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि एयर सुविधा 2.0 का एकमात्र आधिकारिक पोर्टल https://airsuvidha.civilaviation.gov.in/ है। ऐसे में यात्रियों से आग्रह किया जाता है कि वे किसी भी व्यक्तिगत या यात्रा संबंधी जानकारी साझा करने से पहले वेबसाइट यूआरएल की ध्यानपूर्वक जांच कर ले और एयर सुविधा 2.0 सेवाएं प्रदान करने का दावा करने वाली किसी भी अनधिकृत वेबसाइट पर भुगतान करने से बचें।

अमेरिका के धारा 301 उपायों के तहत भारत पर लगा कम शुल्क, 45 फीसदी निर्यात दायरे से बाहरः वाणिज्य मंत्रालय

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकार ने कहा है कि अमेरिका ने कथित बंधुआ मजदूरी से जुड़ी धारा 301 के तहत उठाए गए कदमों के अंतर्गत भारत को 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क की निचली श्रेणी में रखा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि धारा 301 के तहत अमेरिका द्वारा लगाए गए 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क के दायरे से भारत के करीब 45 फीसदी निर्यात अब भी बाहर हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के कार्यालय ने 23 जुलाई को अमेरिकी व्यापार अधिनियम, 1974 की धारा 301 के तहत संबंधित देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी। मंत्रालय ने कहा कि यूएसटीआर ने भारत से आयात पर अतिरिक्त 10 फीसदी शुल्क लगाया है। अमेरिका ने शुरुआत में 12.5 फीसदी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा था। ये उपाय भारत सहित 60 देशों की अर्थव्यवस्थाओं के कृत्यों, नीतियों और प्रथाओं की जांच के बाद किए गए हैं, जो बंधुआ मजदूरी से उत्पादित वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसके अनुपालन से संबंधित हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, “लगातार किए गए इन प्रयासों का नतीजा ये है कि भारत को अंतिम उपायों के तहत अतिरिक्त शुल्क के निचले स्तर में रखा गया है, जिससे प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय निर्यात को तुलनात्मक लाभ मिलेगा।” मंत्रालय ने कहा कि भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात का एक बड़ा हिस्सा, जिस पर वर्तमान में कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता, अतिरिक्त 10 फीसदी शुल्क के दायरे से बाहर बना हुआ है। इनमें जेनेरिक दवाएं, स्मार्टफोन और कुछ अन्य निर्दिष्ट उत्पाद शामिल हैं। इसके अलावा यूएसटीआर की धारा 232 उपायों के तहत पहले से शामिल इस्पात, एल्युमिनियम और वाहन कलपुर्जे जैसे उत्पाद इस अतिरिक्त 10 फीसदी शुल्क के अधीन नहीं हैं। अमेरिका व्यापार प्रशासन की धारा 232 में शामिल शुल्क सीमित अपवादों के साथ व्यापक रूप से सभी देशों पर लागू होते हैं।

फिल्म प्रहार-द उज्ज्वल निकम स्टोरी का दमदार टीजर जारी, कसाब के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने आए राजकुमार राव

राजकुमार राव अपने करियर का सबसे अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार लेकर दर्शकों के सामने आ चुके हैं। उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी का दमदार टीजर जारी हो गया है। अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित यह एक बायोग्राफिकल फिल्म है, जिसमें अभिनेता को भारत के जाने-माने वकील उज्ज्वल निकम के किरदार में नजर आए हैं। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित प्रहार में वामिका गब्बी और जयदीप अहलावत भी मौजूद हैं। टीजर के साथ रिलीज तारीख भी आ गई है। टीजर की शुरुआत राजकुमार के किरदार उज्जव निकम से होती है, जो अदालत को 26/11 आतंकवादी हमले की याद दिलाकर अजमल कसाब को फांसी देने की मांग करते हैं। वकील का कोट पहने और मूछ लगाए अभिनेता का लुक अब तक का सबसे अलग और दमदार लगा है। वामिका उनकी पत्नी बनी हैं, जबकि जयदीप अन्य वकील के किरदार में हैं। सिकंदर खेर भी फिल्म का हिस्सा हैं। यह फिल्म 7 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। कोर्ट में उज्जवल निकम के किरदार में राजकुमार की दलीलें और एक्टिंग रोंगटे खड़ी कर देने वाली है। तर्क पेश करते हुए उनके चेहरे पर गुस्सा और आंखों में आंसू देखने वाले होते हैं। मूंछों वाला लुक राजकुमार राव पर फब रहा है। प्रहार का टीजर देख फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, धुरंधर ने हमें 26/11 का टीजर दिखाया और प्रहार हमें इंसाफ के लिए लड़ी लड़ाई दिखाएगी। एक और कमेंट है, एकदम पीक, रोंगटे खड़े हो गए। एक बोला, बवाल काट दिया भाई। एक यूजर का कमेंट आया है, राजकुमार राव बहुत टाइम बाद अपने अवतार में आए हैं, दिल जीत लिया यार।

शहनाज गिल संग अफेयर की चर्चाओं पर राघव जुयाल ने तोड़ी चुप्पी, बोले- 'महिलाओं की रक्षा और सम्मान ही मेरी असली परवरिश'

मशहूर डांसर और अभिनेता राघव जुयाल ने आखिरकार अभिनेत्री शहनाज गिल के साथ अपने डेटिंग की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ दी है। बातचीत के दौरान राघव ने अपने माता-पिता द्वारा दी गई सीख को याद करते हुए कहा कि उन्हें बचपन से ही महिलाओं का सम्मान करना और उनकी सुरक्षा के लिए मजबूती से खड़े होना सिखाया गया है। ''अपनों की सुरक्षा के लिए आखिरी सांस तक खड़ा रहूंगा'' राघव ने दृढ़ता से अपनी बात रखते हुए कहा कि अगर उनके साथ मौजूद किसी महिला पर कोई आंच आती है या हमला करने की कोशिश होती है, तो वह मूकदर्शक बनकर चुपचाप नहीं खड़े रहेंगे। वह उसकी रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। राघव के मुताबिक, अपने परिवार, दोस्तों और साथ मौजूद हर महिला की रक्षा करना उनकी परवरिश और स्वभाव का अभिन्न हिस्सा है। मर्दानगी और संवेदनशीलता का संतुलन मर्दानगी को लेकर अपनी सोच साझा करते हुए राघव जुयाल ने कहा:''जिस तरह महिलाओं की अपनी एक ऊर्जा होती है, उसी तरह हर मर्द की भी अपनी एक खास पहचान होती है। इन दोनों का सही संतुलन बनाना हर इंसान के लिए जरूरी है।'' उन्होंने आगे कहा कि उनका डांस, अभिनय और व्यक्तित्व उनकी भावनात्मक संवेदनशीलता को दर्शाता है। लेकिन जब किसी के हक में खड़े होने या मदद करने की बात आती है, तो माता-पिता से मिले संस्कार उन्हें आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। राघव ने भरोसा दिलाया कि वह हमेशा अपने दोस्तों, बहनों और परिवार के लिए एक आवाज पर मदद को तैयार रहेंगे। शहनाज गिल ने बताया था 'बेस्ट फ्रेंड' इससे पहले जब शहनाज गिल से राघव के साथ उनके रिश्ते पर सवाल पूछा गया था, तो उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ पर बात करने से मना कर दिया था। हालांकि, बाद में उन्होंने राघव को अपना बहुत अच्छा दोस्त बताया था। राघव के इस बयान के बाद अब दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही गॉसिप्स पर विराम लगने की उम्मीद है। अपकमिंग प्रोजेक्टः बता दें कि राघव जुयाल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भाई तेरी स्टार है' के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जो 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

ब्लैक लहंगे में जाह्नवी कपूर का कातिलाना अंदाज, डीप-नेक ब्लाउज ने लूटी महफिल

बॉलीवुड की यंग जनरेशन की सबसे चर्चित और फैशनेबल अभिनेत्रियों में से एक, जाह्नवी कपूर अपने लुक्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से कभी पीछे नहीं हटतीं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं। इस बार जाह्नवी ने ऑल-ब्लैक एथनिक लुक चुना है, जिसमें उनका ग्लैमर और बोल्डनेस साफ झलक रही है। जाह्नवी कपूर के इस लुक की सबसे बड़ी यूएसपी उनका खूबसूरत ब्लैक लहंगा है। उन्होंने एक डीप-नेकलाइन वाला ब्लाउज कैरी किया है, जिस पर चमकीले रंगों की बेहद बारीक और हैवी एम्ब्रॉयडरी की गई है। ब्लाउज के निचले हिस्से पर लगे रंग-बिरंगे लटकन उनके लुक को थोड़ा फंकी और अट्रैक्टिव टच दे रहे हैं। इसके साथ ही, लहंगे के बॉर्डर पर की गई हेरिटेज कढ़ाई और लाल रंग की पाइपिंग उनके पूरे आउटफिट को शाही लुक दे रही है। साथ में ब्लैक शीयर दुपट्टा उनके इस स्टाइल को मुकम्मल कर रहा है। तस्वीरों में जाह्नवी कपूर का कॉन्फिडेंस देखने लायक है। कभी वह कैमरे की तरफ देखकर अपनी नशीली आंखों से जादू बिखेर रही हैं, तो कभी साइड प्रोफाइल फ्लॉन्ट करते हुए कैंडिड पोज दे रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर और एब्स फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। जाह्नवी ने न्यूड-ग्लॉसी मेकअप, सटल ब्लश और माथे छोटी सी लाल बिंदी के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। जाह्नवी ने अपने बालों को वेवी रखते हुए खुला छोड़ा है, जो उनके कंधों पर बिखरकर उनके लुक को और भी सिडक्टिव बना रहे हैं। ज्वेलरी की बात करें तो, उन्होंने कानों में बड़े झुमके, हाथों में मैचिंग भारी कंगन और नाक में एक छोटी सी नथ पहनी है, जो उनके इस एथनिक ग्लैमर को और अधिक निखार रही है। तस्वीरों में जाह्नवी बेहद खूबसूरत और भारी कढ़ाई वाला ब्लैक लहंगा पहने नजर आ रही हैं। हालांकि, पूरे लुक की जान उनका बोल्ड और स्टनिंग डीप-नेक ब्लाउज रहा, जिसने उनके इस अंदाज को और भी ज्यादा कातिलाना बना दिया है। मिनिमल ज्वैलरी, स्मोकी आइज और सॉफ्ट कर्ल्स हेयरस्टाइल के साथ उन्होंने अपने इस एथनिक अवतार को परफेक्ट फिनिशिंग दी है।

बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होते ही छाई जन नायकन, पहले दिन हुई छप्परफाड़ कमाई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता थलापति विजय की फिल्म जन नायकन सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इसने 23 जुलाई को बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दी और पहले ही दिन बंपर ओपनिंग लेकर तहलका मचा दिया है। एच विनोथ के निर्देशन में बनी ये एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा है, जो 7 महीने की देरी से दर्शकों के बीच पहुंची है, इसलिए फिल्म का पहले दिन रिकॉर्डतोड़ कमाई होना लाजिमी था। आइए इसकी कमाई पर डालते हैं एक नजर। सैकनिल्क से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, विजय की फिल्म ने ओपनिंग डे पर कुल 41 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया है। इसमें सबसे बड़ा योगदान तमिल भाषा का है, जिसमें फिल्म ने 36.50 करोड़ रुपये जुटाए। तेलुगु भाषा से फिल्म का कलेक्शन 2.75 करोड़ रुपये रहा है, जबकि हिंदी पट्टी में इसने 1.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। जन नायकन ने विश्वस्तर पर कुल 78.27 करोड़ रुपये (भारत में 48.27 करोड़, विदेशों में 30 करोड़) का ग्रॉस कलेक्शन किया है। जन नायकन ने पहले दिन शानदार कारोबार किया है, लेकिन ये विजय की पिछली फिल्म लियो (करीब 142.03 करोड़) और जीओएटी (करीब 99.39 करोड़) का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गई। फिल्म में विजय के अलावा, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, प्रकाश राज, प्रियामणि, ममिता बैजू समेत कई कलाकार शामिल हैं।

इसे विजय के करियर की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है, क्योंकि बतौर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री वह अब अपने राजनीतिक करियर पर पूरा ध्यान लगाना चाहते हैं।

फिल्म ओह माय डॉग का ट्रेलर जारी, 250 कुत्तों की कहानी लेकर आए पंकज त्रिपाठी

ओह माय गॉड जैसी सफल फ्रैंचाइजी बनाने के बाद, निर्देशक अमित राय ओह माय डॉग लेकर आ रहे हैं। कुछ दिन पहले टीजर के साथ फिल्म का ऐलान किया गया था। अब इसका आधिकारिक ट्रेलर रिलीज हो गया है।

इसमें पंकज त्रिपाठी मुख्य किरदार में हैं और उनके साथ 250 से ज्यादा कुत्तों की दिल छू लेने वाली को दिखाया गया है। माही राय, पवन मल्होत्रा, गीता अग्रवाल शर्मा, सुलक्षणा बरुआ, राजेश कुमार और विजय मिश्रा भी इसका हिस्सा हैं। ओह माय डॉग फिल्म का ट्रेलर अपने साथ एक भावुक पारिवारिक ड्रामा और सस्पेंस की झलक देता है। इसकी शुरुआत एक छोटे बच्चे और आवारा कुत्ते की दोस्ती से होती है, लेकिन अप्रत्याशित परिस्थितियों के चलते कहानी में चौंकाने वाला भावुक मोड़ आता है। कुल मिलाकर ये फिल्म इंसान व जानवरों के बीच प्यार और इंसानियत का संदेश देती है। बाबूलाल बाइस्कोप और थिंकिंग हैट्स एंटरटेनमेंट के बैनर बनी ये फिल्म 31 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जरूरत से ज्यादा सोचते हैं ? इन 5 चीजों को करना छोड़ें

अक्सर लोग किसी न किसी बात को लेकर ज्यादा सोचते रहते हैं। इससे उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है और वे कई बार जरूरी काम भी नहीं कर पाते हैं। ज्यादा सोचने से आप अपने जीवन में कई बार अनजाने में तनाव भी बढ़ा लेते हैं। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनसे आपको ज्यादा सोचने की बजाय उन्हें छोड़ने पर ध्यान देना चाहिए। दूसरों की राय पर ज्यादा ध्यान देना छोड़ें। अक्सर लोग दूसरों की राय को बहुत अहमियत देते हैं और अपने फैसले उनके कहने पर बदल लेते हैं। इससे आपके आत्मविश्वास पर असर पड़ता है और आप अपने असली मकसद से भटक जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपनी जिंदगी खुद जिएं और दूसरों की राय को नजरअंदाज करें। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। असफलताओं से डरना छोड़ दें। असफलताएं जीवन का हिस्सा होती हैं और उनसे डरकर आगे बढ़ने में रुकावट आती है। अगर आप हर असफलता को एक सीख मानकर उसे सुधारने की कोशिश करेंगे तो आपके लिए आगे बढ़ना आसान होगा। असफलताओं से डरना छोड़ दें और उन्हें अपने अनुभव का हिस्सा बनाएं। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे। भविष्य की चिंता करना छोड़ दें। भविष्य को लेकर चिंता करना सामान्य बात है, लेकिन इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा नहीं बनने देना चाहिए। वर्तमान में जीने की कोशिश करें और अपनी ऊर्जा अपने कामों में लगाएं। इससे न केवल आपका मानसिक तनाव कम होगा, बल्कि आप अपने लक्ष्यों को बेहतर तरीके से प्राप्त कर सकेंगे। याद रखें कि आज का काम आज ही पूरा करना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई चिंता न रहे। दूसरों की तुलना करना छोड़ दें। हर व्यक्ति अलग होता है और उसकी अपनी खासियत होती हैं। किसी दूसरे व्यक्ति से अपनी तुलना करना गलत है क्योंकि इससे आपकी आत्मविश्वास कमजोर होता है। इसके बजाय अपनी प्रगति पर ध्यान दें और खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करें। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें और दूसरों से प्रेरणा लें, लेकिन उनकी तुलना न करें। इससे आप अपनी मंजिल तक पहुंचने में सफल होंगे और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। हर चीज को बिल्कुल सही बनाने की कोशिशः हर चीज बिल्कुल सही होनी चाहिए, ऐसा सोचना गलत है क्योंकि इससे तनाव बढ़ता है और आप अपने असली मकसद से भटक जाते हैं। बेहतर होगा कि आप अपने काम को बेहतरीन बनाने की कोशिश करें, लेकिन उसे बिल्कुल सही न बनाने की सोचें। इससे आपका मानसिक दबाव कम होगा और आप अपनी जिंदगी का आनंद ले सकेंगे। याद रखें कि कोई भी इंसान या काम पूरी तरह से सही नहीं होता।

BRIFF NEWS

SC: Treat Cyber Frauds as Organised Crime

New Delhi, Agency: Maintaining its zero-tolerance approach towards digital arrest and cyber fraud cases, SC Friday said police must invoke charges under stringent laws to prevent such organised crimes.

Rejecting the bail plea of Mohamad, aka MD, accused in a case relating to digital arrest followed by fraudsters posing as policemen and showing forged SC orders to coerce a man to part with Rs 76 lakh last year, a bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana said, "Digital arrest and cyber fraud cases must be equated with robbery and dacoity. Why are these offences not classified as organised crime?" It asked Gujarat police why they had not added charges under Gujarat Control of Terrorism and Organised Crime Act, which came into force in 2019.

4.1cr kids obese, ICMR seeks tighter curbsl

New Delhi, Agency: With World Obesity Atlas 2026 saying nearly 4.1 crore Indian children are already overweight or obese, Indian Council of Medical Research unveiled a roadmap this week to halt the trend.

Key proposals include front-of-pack nutrition labelling, restrictions on market-ing of unhealthy foods to chi-ldren, healthier school food environments, improved nutrition literacy, and fiscal measures such as taxes on foods high in fat, salt and sugar (HFSS).

SC Prohibits Court Clips Online

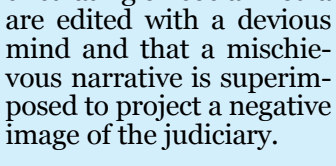

New Delhi, Agency: Supreme Court on Friday barred the uploading, sharing and circulation of video clips from live-streamed court proceedings on social media and digital platforms, after finding that edited clips with biased commentary were flooding social media. Apex court said any online use of audiovisual excerpts from hearings must have the approval of SC or HC.

A bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana passed the interim order after senior advocate Vikas Singh, appearing for journalist PIL petitioner Harshita Grover, said some of these clips circulating on social media are edited with a devious mind and that a mischievous narrative is superimposed to project a negative image of the judiciary.

Grain, not guns: MEA rejects Russia's claim on deadly ship attack that killed 4 Indians

New Delhi, Agency: Ministry of external affairs (MEA) on Friday said the merchant vessel MV Golden Leo, which was struck in a Russian attack off Ukraine's Odesa port earlier this week, was carrying grain and not military cargo, effectively rejecting Moscow's assertion that the ship was transporting weapons for Ukraine. Responding to questions on the Russian claim, MEA spokesperson Randhir Jaiswal said the information available with the Indian government showed the Guinea-Bissau-flagged vessel had loaded grain before leaving Odesa. "As per information made available to us from the Directorate General of Maritime Administra-tion, India, MV Golden Leo, the Guinea-Bissau-flagged commercial vessel involved in the tragic incident in the Odesa port, had loaded grain as cargo prior to its departure on July 19," Jaiswal said at the ministry's weekly media briefing. "We once again reiterate that commercial shipping and seafarers must not be targeted under any circumstances," he added. The clarification came days after a Russian strike on the merchant vessel killed 10 people, including four Indian seafarers, marking the first deaths of Indian sailors since the Russia-Ukraine war began.

India reiterates concerns to Russia: Jaiswal said external affairs minister S Jaishankar reiterated India's position during his meeting with Russian foreign minister Sergey Lavrov in Manila on Wednesday. India had also summoned Russian Charge d'Affaires Vladimir Ladanov on Tuesday to convey its "grave concerns" and "unequivocal condemnation" of the attack on the commercial vessel. The move followed remarks by Kremlin spokesperson Dmitry Peskov, who defended Russia's actions, saying Moscow would continue targeting vessels carrying arms for Ukraine. Peskov said Russian forces would continue striking ships involved in transporting "ammunition, weapons, and so on" for the Kyiv government.

Govt dismisses Pak allegation of India deliberately causing flooding

New Delhi, Agency: Govt dismissed Pakistan's allegation that India is deliberately causing flooding as baseless, saying the recent increase in flows in Chenab river is a direct consequence of intense monsoon rainfall over Jammu and adjoining catchment areas from July 20 to 23.

Govt also reiterated India's position on the Indus Waters Treaty that it will continue to be held in abeyance until Pakistan credibly and irrevocably abjures its support for cross-border terrorism. However, it also said India will continue to share high flood data with Pakistan on humanitarian grounds.

MEA said Pakistan's flood forecasting division, in its July 22 flood advisory, had attributed high flood levels in Chenab to heavy rainfall over the upper catchment and stated high flows at Marala were expected to persist before gradually receding as rainfall over the catchment decreased.

"The rise in river flows is a natural hydrological response to heavy monsoon rainfall and not the result of any deliberate action by India. Attempts to portray a weather-driven flood event as an upstream intervention are factually incorrect, technically untenable, and contradicted by Pakistan's own official flood advisories," said MEA spokesperson Randhir Jaiswal.

Government objects to China illegally occupying Indian territory

New Delhi, Agency: India has been consistent in not violating China's sovereignty, but China continues to illegally occupy Indian territory in J&K and Ladakh, said govt, days after external affairs minister S Jaishankar's meeting with his counterpart Wang Yi. The assertion was in response to a question at a media briefing on the Chinese readout of the meeting in which it quoted Jaishankar as saying India's positions on issues concerning Taiwan and Tibet have not changed, and India respects China's sovereignty.

"EAM said (to Wang) when it comes to sovereignty issues, it is India that should be and is raising them. India does not violate China's sovereignty in any manner and has been consistent," said MEA spokesperson Randhir Jaiswal.

"But China has been in illegal occupation of Indian territory in J&K and Ladakh since 1963, where India's right is officially acknowledged even by China. Also, there are Chinese projects on territories in J&K that belong to India, we object to that," he added, alluding to Chinese projects in POK.

The meeting between Jaishankar and Wang Yi in Manila on the margins of Asean saw Jaishankar stressing the need to address issues like bilateral trade imbalance, need for fair market access and reliability of supply chains. He also underlined that border peace and tranquillity will remain a prerequisite for normalisation of bilateral ties. While the Indian readout didn't mention Tibet or Taiwan issue, a Chinese statement later said Jaishankar had backed China's sovereignty. India follows the one-China policy like most other countries but without publicly articulating it since 2010. Wang said in the meeting China will continue to support India in hosting a successful Brics summit this year. The summit, which India will host in Sept, is likely to be attended by President Xi Jinping. This will be Xi's first visit to India since 2019, when he travelled to Mahabalipuram for the second India-China summit.

Maj Gen cashiered from service, gets 1-year RI in Rs 11-crore fraud

New Delhi, Agency: A summary general court martial (SGCM) has held a Major General from the Army Medical Corps guilty of misappropriation in the procurement of medical supplies worth Rs 11 crore while serving as the Commandant of a Military Hospital in Jammu. He has been cashiered from service and sentenced to one-year rigorous imprisonment, sources said.

The trial, presided by Lt Gen V Sreehari, General Officer Commanding of Dakshin Bharat Area, concluded in Udhampur on Friday. The SGCM was ordered by the General Officer Commanding-in-Chief, Northern Command.

Maj Gen Devendra Arora, who has since retired, was tried for 18 charges, which included 17 counts under Section 52(f) of the Army Act for intent to defraud and one under Section 57(a) of the Act for making fraudulent statements. The SGCM found him guilty of 16 charges. The SGCM's verdict is subject to confirmation by the convening authority. The officer has the option of appealing against the findings and sentencing by the SGCM before the convening authority and may thereafter move the Armed Forces Tribunal.

Jaishankar Pushes Global Legal Reform

New Delhi, Agency: The international legal architecture must be more democratic, inclusive and sensitive to the realities of the Global South, external affairs minister S Jaishankar said Friday. At the 60th anniversary of UNCITRAL, he said: "Today's world is witnessing unprecedented geopolitical volatility, supply chain disruptions, rapid technological shifts. And these developments are affecting how goods, services, capital, and data move across borders, exposing businesses and govts to risks for which no country can be resilient in isolation. Amid the fast changing global landscape, development of international law cannot remain insulated."

He said nations across the globe are seeking not just infrastructure and connectivity, but also legal predictability. PTI

Government pushes competition in power distribution

New Delhi, Agency: Union power ministry's consultative committee met on Thursday to discuss a consumer-centric framework for parallel distribution licensing that would allow multiple electricity suppliers to use the same distribution network.The proposed reform aims to improve service quality, encourage competition, reduce infrastructure duplication and give consumers the freedom to choose their electricity provider. The draft National Electricity Policy-2026, which is under consultation and is likely to be placed before the cabinet soon, has also underlined the need to phase out monopoly in electricity distribution and introduce competition by allowing multiple players.

According to officials, the existing legal framework permits more than one distribution licensee in the same area, but requires each of them to establish its own distribution network. This results in duplication of infrastructure, higher capital expenditure, discourages fresh investment and leads to "inefficient utilisation of resources". Mumbai is the only city where consumers have exercised supplier choice for several years, while the distribution network is developed in a coordinated manner under the supervision of the state electricity regulatory commission. Emphasising the consumer-centric nature of the reform, Union power minister Manohar Lal said consumers would have the freedom to choose their electricity supplier, similar to the choices available today in sectors such as telecom and aviation.

Amid manhunt for J&K cop's terrorist killers, detentions spike to 3.5k

Srinagar, Agency: Detentions across J&K linked to the terrorist killing of head constable Ashiq Hussain Qureshi rose to 3,500 Friday as police stepped up their crackdown on suspected sympathisers of armed groups. A senior police officer said around 700 people were detained for interrogation in Srinagar alone since the terror attack last Wednesday, in which Qureshi, who was on Amarnath Yatra duty at Lal Chowk in Anantnag, was killed. "Due process has been followed in all detentions," he said. DGP Nalin Prabhat convened a meeting for a comprehensive security review in Srinagar, with participating officers presenting their assessments of the prevailing security scenario across the Union territory. "The meeting focused on the current operational environment, threat perception and preparedness of field formations," a police spokesperson said.

Fast-track courts in slow lane now, backlog 2.5 lakh cases

New Delhi, Agency: Fast-track special courts, which are meant to complete trials within a year of taking cognisance of offences related to rape and Pocso Act, have not been working at the expected speed. In 2025, which saw more than 1.4 lakh rape and Pocso cases being registered, only 66,500 were disposed of.

The backlog of cases had reached 2.5 lakh on Dec 31, 2025. The trend has been similar over the last three years, with the total pendency at over 2 lakh. Since fast-track special courts were constituted in 2019, case pendency has always been around 2 lakh over the last seven years despite the scheme mandating time-bound trials.

"The scheme has been extended twice, with the last extension valid up to March 31, 2026, for establishment of 790 fast-track special courts. The scheme has now been extended up to Sept 30 this year," law minister Arjun Ram Meghwal informed Parliament in a written response Thursday.

The minister added that according to information made available by high courts, 775 fast-track special courts, including 398 exclusive Pocso (e-Pocso) courts, were functional in 29 states/Union Territories as of April. Centre and states share expenditure on these courts in a 60:40 ratio. This covers the salaries of one judicial officer along with seven support staff for each fast-track court, in addition to a grant for meeting day-to-day expenses. Since the inception of the scheme, Centre has released Rs 1,260 crore to states and UTs to ensure the courts functioned smoothly, Meghwal said. The minister said he had written to chief ministers and Chief Justices of high courts regarding the "need for timely action and strict compliance with timelines under Pocso Act and BNSS".